राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# स्वतंत्र प्रभात

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........
9511151254

@swatantraprabhatmedia @swatantramedia RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com ) @SwatantraPrabhatonline news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर,गुरुवार, 25 जून 2026
वर्ष 14, अंक 76, पृष्ट 04, मूल्य: 01 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

प्रशासनिक उदासीनता का फायदा उठा रहे रेत-मिट्टी के तस्कर, रातों-रात खोखली की जा रही जमीन...03

बहुत प्यार करती हूं, वापस आ जा..मंगेतर की हत्या के बाद सिया का ढोंग...04

## वेदना की घड़ी में पिघला शासक का दिल, कहा- अग्निकांड के दोषी बचेंगे नहीं, पीड़ितों को मिलेगा न्याय

कुछ घटनाएं पूरे समाज की चेतना को झकझोर देती हैं और इतनी पीड़ादायी होती हैं कि उनका दंश पूरी जिंदगी भर सालता है. ऐसे में जब कोई मुख्यमंत्री शासक की अपनी भूमिका का निर्वहन करते हुए भी एक अभिभावक की तरह लोगों के दुःख-दर्द पर अपने मर्म भरे हाथ रखता है, तो उसमें यह भाव भी होता है कि वेदना की इस घड़ी में मैं आपके साथ हूं और यह भाव जख्मों पर शीतल मरहम की तरह लोगों का संबल बन जाता है. लखनऊ के अलीगंज में आग से जलकर 15 बच्चों की मौत ऐसी पीड़ादायक घटना है, जिसकी भरपाई तो संभव नहीं लेकिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ऐसे समय अपनी संवेदनशीलता का जो मानवीय स्पर्श व्यथित परिजनों को दिया, वह शासन का एक जिम्मेदार चेहरा है. सत्ता के शीर्ष पर बैठा व्यक्ति जब लोगों की व्यथा में उनके साथ दिखाई देता है तो न्याय की उम्मीद भी बढ़ जाती है.

**पीड़ितों को न्याय दिलाने का संकल्प**

करुणा और कठोरता दोनों ही सुशासन के महत्वपूर्ण आयाम हैं. संवेदना यदि पीड़ित के घावों पर मरहम रखती है, तो कठोरता यह सुनिश्चित करती है कि कोई भी दोषी बचे नहीं और पीड़ितों को न्याय मिले. लेकिन, यह तभी संभव है जब नेतृत्व संवेदनशील हो. लखनऊ में जिस समय यह घटना हुई, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अलीगढ़ में एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे. भाषण चल रहा था, मंच सजा था, कार्यक्रम में उत्साह था और तभी उन्हें वह खबर मिली जिसने उन्हें भीतर तक झकझोर दिया.

**अस्पताल में पीड़ितों को देखने गए सीएम (PTI)**

उन्होंने पीड़ा भरे स्वर में मंच से कहा, मुझे आज अलीगढ़ में रुकना था लेकिन अभी-अभी लखनऊ में एक दुखद घटना की

जानकारी मिली है जिसमें कुछ बच्चों की अग्निकांड में मृत्यु हो गई है. मैंने अधिकारियों को वहां भेजा है और स्वयं भी तुरंत लखनऊ लौट रहा हूं. यह एक मुख्यमंत्री के भीतर के इंसान की आवाज़ थी, जो घटना से व्यथित था और अपनी जिम्मेदारियों को जल्द से जल्द पूरा करने का आग्रही था. उनका मंतव्य समझते हुए उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक घटनास्थल पर पहुंच चुके थे और विह्वल थे. लखनऊ पहुंचते ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सीधे घटनास्थल पर गए और वहां का निरीक्षण किया. जब एक मुख्यमंत्री किसी घटना का संज्ञान लेकर खुद मैदान में उतरता है तो प्रशासनिक मशीनरी भी उतनी ही सक्रिय हो जाती है. वह घायलों को देखने केजीएमयू अस्पताल भी गए और मृतकों के परिजनों को को धीरज बंधाया. आश्वस्त किया कि दोषी किसी भी सूरत में बख्शे नहीं जाएंगे. ऑक्सीजन सपोर्ट पर अपना इलाज करा रही एक युवती से उन्होंने बात कर पूरी जानकारी ली. मृतकों के परिजनों को पांच-पांच लाख रुपये और घायलों को 50-50 हजार की आर्थिक सहायता की घोषणा की.

**पीएम ने भी दो-दो लाख रुपये देने का ऐलान किया**

शाम तक यह राशि शोक संतप्त परिवारों को सौंप भी दी गई. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी पीएमएनआरएफ से दो-दो लाख रुपये देने का ऐलान किया. आर्थिक मदद से किसी का जीवन नहीं लौटता, लेकिन यह संदेश जरूर देता है कि व्यवस्था उदासीन नहीं है, आपके साथ है. रात में ही रक्षामंत्री और लखनऊ के सांसद राजनाथ सिंह भी घटनास्थल और अस्पताल पहुंच गए, जो इस बात का प्रतीक था कि चाहे केंद्र सरकार हो या राज्य सरकार, आपदा की स्थिति में लोगों को अकेला नहीं छोड़ती. राजनीति की परिभाषाएं बहुत हैं, लेकिन जब कोई राजनेता अपना कार्यक्रम बीच में छोड़कर, मंच से उठकर, दर्द की आग में जलते किसी परिवार के पास दौड़ता है और उनके आंसू पोंछता है तो सारी परिभाषाएं धूमिल पड़ जाती हैं. रह जाती है सिर्फ मनुष्यता की परिभाषा. लेकिन इसके साथ ही प्रशासकीय दायित्वों का निर्वहन भी जरूरी है. आधी रात तक मुख्यमंत्री के आवास पर उच्चस्तरीय बैठकें चलती रहीं. लापरवाही बरतने वाले चार अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया. बिल्डिंग मालिक वीरेंद्र प्रसाद शुक्ला सहित चार मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया. अलीगंज थाने में छह नामजद अभियुक्तों समेत अन्य जिम्मेदारों के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई. अपर मुख्य सचिव अमृत अभिजात और अपर पुलिस महानिदेशक प्रवीण कुमार की दो सदस्यीय एसआईटी गठित की गई, जिसे सात दिनों में रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया गया. इसका संदेश दूर तक गया. कानपुर में फिजिक्स वाला सहित 22 कोचिंग संस्थानों को सील कर दिया गया. प्रदेश में हर कोचिंग संस्थान जाकर इस बात की पड़ताल शुरू हो गई कि वहां बच्चों के लिए क्या सुरक्षा उपाय हैं. भविष्य की त्रासदियों को रोकने के लिए भी यह जरूरी है.

**दोषी लोगों को कठोर दंड का संकल्प**

अलीगंज अग्निकांड को लेकर सीएम योगी की गंभीरता का अहसास इसी बात से लगाया जा सकता है कि उन्होंने अगले दिन के अपने सभी आधिकारिक कार्यक्रम रद्द कर दिए. उम्मीद है कि एसआईटी भी अपनी जांच को पूरी गंभीरता से अंजाम देकर इस अग्निकांड के लिए दोषी लोगों को कठोर दंड दिलाना सुनिश्चित कराएगी. ऐसा होने पर नियम-कानूनों की अवहेलना करने वालों और उनको प्रश्रय देने वालों तक शासन का कठोर संदेश पहुंचेगा. इससे होने वाले संभावित हादसों को भी रोका जा सकेगा, ताकि किसी और बच्चे या निर्दोष की जान न जाए. सत्ता के गलियारों में अनेक नेता आते हैं. वादे करते हैं, लेकिन जो नेता दर्द की आग के पास जाकर खड़ा होता है, लोग उसे ही याद रखते हैं. सरकार की संवेदनशीलता तब पूरी होती है, जब वह आंसू पोंछने के बाद उस वातावरण को भी समाप्त करे जो इन आंसुओं का कारण बना. सुरक्षा एक स्थायी प्रतिबद्धता है.

**रोती हुई मां के सिर पर हाथ रखा**

जो चला जाता है, वह लौटता नहीं, यह कठोर सच है लेकिन जब एक मुख्यमंत्री रोती हुई मां के सिर पर हाथ रखता है, अस्पताल में बिस्तर पर पड़े बच्चे का हाथ थामता है, तो एक असहाय परिवार को भरोसा मिलता है. यही वह विश्वास का धागा है, जो सरकार और जनता के बीच बंधा होता है और जिसकी मजबूती लोकतंत्र के लिए बहुत जरूरी है.

## 6 महीने और 238 घंटे बात.... सिया और चेतन की प्रेम कहानी का पुलिस ने पेश किया सबूत; केतन हत्याकांड में अब तक क्या-क्या हुआ

पुणे के चर्चित केतन अग्रवाल हत्याकांड में हर दिन नए और चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं. जिस मौत को पहले हादसा माना गया था, वह अब एक कथित प्रेम प्रसंग, साजिश और सुनियोजित कोल्ड ब्लडेड हत्या का मामला बन चुका है. पुलिस के मुताबिक, केतन अग्रवाल की मंगेतर सिया गोयल और उसके कथित प्रेमी चेतन चौधरी ने मिलकर इस पूरी वारदात को अंजाम दिया. दोनों आरोपियों को पुणे की वडगांव मावल कोर्ट ने 29 जून तक पुलिस हिरासत में भेज दिया है. 18 जून को पुणे जिले के लोणावला स्थित लोहागढ़ किले पर 26 वर्षीय केतन अग्रवाल की 400 फीट गहरी खाई में गिरने से मौत हो गई थी. शुरुआत में इसे दुर्घटना माना गया था, लेकिन जांच आगे बढ़ने के साथ पुलिस को कई ऐसे सबूत मिले, जिन्होंने पूरे मामले की दिशा बदल दी. पुलिस के अनुसार, केतन अग्रवाल की शादी पुणे के मार्केट यार्ड क्षेत्र के एक कारोबारी परिवार की बेटी सिया गोयल से तय हुई थी.

**शादी की तैयारियों में जुटे थे परिवार वाले**

दोनों परिवार वाले शादी की तैयारियों में जुटे थे. जयपुर में भव्य शादी की योजना बनाई गई थी और इसके लिए विशेष विमान तक बुक किए गए थे. इस शादी के लिए करोड़ों रुपए खर्च किए जाने थे. शॉपिंग शुरू थी,ज्वेलरी दुल्हन और दूल्हे के फाइनल किए जा चुके थे. जांच में सामने आया कि सिया गोयल और चेतन चौधरी के बीच पिछले कई महीनों से प्रेम संबंध थे. पुलिस का दावा है कि दोनों के बीच छह महीने में 2000 से अधिक फोन कॉल और करीब 238 घंटे बातचीत हुई.

**प्लानिंग के तहत केतन की हत्या**

जांच एजेंसियों के मुताबिक, सिया शादी नहीं करना चाहती थी और इसी वजह से उसने अपने प्रेमी चेतन के साथ मिलकर केतन को रास्ते से हटाने की साजिश रची.

पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि कथित तौर पर 14 जून को भी केतन को मारने की कोशिश की गई थी, लेकिन वह प्रयास सफल नहीं हो पाया. इसके बाद 18 जून को सिया ने केतन को घूमने के बहाने लोहागढ़ किले पर बुलाया. पुलिस का आरोप है कि पहले से तय योजना के तहत चेतन चौधरी भी वहां मौजूद था.

**CCTV फुटेज से हुआ बड़ा खुलासा**

सीसीटीवी फुटेज में एक युवक हुडी, फेस मास्क और कान ढकने वाले उपकरण पहनकर किले पर जाते हुए दिखाई दिया. जांच के दौरान उसकी पहचान चेतन चौधरी के रूप में हुई. पुलिस का दावा है कि किले पर एक सुनसान और खतरनाक स्थान चुना गया था, जहां से केतन को खाई में धक्का दिया गया. जांच में एक और चौंकाने वाला खुलासा सामने आया है. पुलिस के अनुसार, सिया गोयल केतन के साथ विदेश यात्रा पर नहीं जाना चाहती थी.

**जांच में हुए चौंकाने वाले खुलासे**

जांचकर्ताओं का दावा है कि जून महीने में बाली ट्रिप से पहले उसने कथित तौर पर केतन का पासपोर्ट फाड़कर फ्लश कर दिया था, ताकि यात्रा रद्द हो जाए. पुलिस को यह भी जानकारी मिली है कि वारदात से पहले सिया और चेतन ने एक कैफे में मुलाकात की थी. जांच एजेंसियां यह भी खंगाल रही हैं कि क्या दोनों ने इंटरनेट और गूगल के जरिए हत्या की योजना से जुड़ी जानकारी जुटाई थी. सोमवार को दोनों आरोपियों को वडगांव मावल कोर्ट में पेश किया गया. बचाव पक्ष के वकील ने अदालत में दावा किया कि यह हत्या नहीं बल्कि एक दुर्घटना थी और केतन की मौत पैर फिसलने के कारण हुई. हालांकि, पुलिस ने अदालत के सामने तकनीकी सबूत, कॉल रिकॉर्ड, सीसीटीवी फुटेज और अन्य जांच सामग्री पेश की. इसके बाद कोर्ट ने सिया गोयल और चेतन चौधरी को 29 जून तक पुलिस हिरासत में भेजने का आदेश दिया. पुलिस जांच में सामने आया है कि चेतन चौधरी पुणे के मार्केट यार्ड इलाके में कारोबार करता है.

**एक अच्छा क्रिकेट खिलाड़ी बना हत्यारा**

वह कॉलेज की पढ़ाई पूरी नहीं कर पाया, लेकिन स्थानीय स्तर पर एक अच्छा क्रिकेट खिलाड़ी माना जाता है. उसके घर में क्रिकेट की कई ट्रॉफियां भी मौजूद हैं. फिलहाल पुलिस दोनों आरोपियों से पूछताछ कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इस कथित हत्या की योजना कब और कैसे बनाई गई तथा इसमें कोई और व्यक्ति शामिल था या नहीं. एक तरफ शादी की तैयारियां, दूसरी तरफ कथित प्रेम संबंध और फिर हत्या की साजिश. पुणे का केतन अग्रवाल हत्याकांड अब महाराष्ट्र के सबसे चर्चित मामलों में शामिल हो गया है. पुलिस जांच जारी है और आने वाले दिनों में इस केस में और भी बड़े खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है.

## संक्षिप्त ख़बरें

### सेंट्रल विस्टा को मिलेगी नई रफ्तार, सेंट्रल सेक्रेटेरिएट बनेगा दिल्ली मेट्रो का पहला ट्रिपल इंटरचेंज हब

नई दिल्ली के सत्ता और प्रशासनिक केंद्र तक पहुंच अब और आसान होने जा रही है. दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (DMRC) ने आज बुधवार से सेंट्रल विस्टा कॉरिडोर के तहत सेंट्रल सेक्रेटेरिएट मेट्रो स्टेशन पर निर्माण कार्य शुरू कर दिया. यह स्टेशन तैयार होने के बाद दिल्ली मेट्रो का एक अहम ट्रिपल इंटरचेंज हब बन जाएगा, जहां मैजेंटा, येलो और वायलेट लाइन एक-दूसरे से जुड़ेंगी. यह परियोजना डीएमआरसी के फेज-5 (A) का हिस्सा है, जिसके तहत जनकपुरी वेस्ट से आरके आश्रम मार्ग तक मैजेंटा लाइन का विस्तार किया जा रहा है. केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने आने वाले सेंट्रल विस्टा मेट्रो कॉरिडोर के हिस्से के तौर पर सेंट्रल सेक्रेटेरिएट मेट्रो स्टेशन के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया. निरीक्षण के बाद खट्टर ने कहा, 'यह एक ऐतिहासिक क्षण है. यह दिल्ली के कई हिस्सों को जोड़ेगा. यह करीब 9 किलोमीटर की लाइन है. इससे लाखों यात्रियों को फायदा होने वाला है. '

**सेंट्रल विस्टा कॉरिडोर में पड़ेंगे 9 स्टेशन**

करीब 9.9 किलोमीटर लंबे पूरी तरह भूमिगत सेंट्रल विस्टा कॉरिडोर में कुल 9 स्टेशन (शिवाजी स्टेडियम, युगे-युगेन भारत, सेंट्रल सेक्रेटेरिएट, कर्तव्य भवन, इंडिया गेट, वॉर मेमोरियल-हाई कोर्ट, बड़ौदा हाउस, भारत मंडपम और इंद्रप्रस्थ) होंगे. इस कॉरिडोर की सबसे बड़ी खासियत सेंट्रल सेक्रेटेरिएट स्टेशन होगा, जहां पहली बार एक ही स्थान पर 3 मेट्रो लाइनें आपस में जुड़ेंगी. इस परियोजना से रोजाना हजारों सरकारी कर्मचारियों, वकीलों, पर्यटकों और आम यात्रियों को सीधा लाभ मिलेगा. साथ ही नई दिल्ली के सबसे व्यस्त इलाकों में सड़क यातायात का दबाव भी कम होने की उम्मीद है.

## आम आदमी पार्टी सांसद संजय सिंह कल SIT से मिलेंगे, राम मंदिर चढ़ावा मामले में सौंपेंगे सबूत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में नई जानकारी सामने आई है. आम आदमी पार्टी सांसद संजय सिंह को एसआईटी ने गुरुवार सुबह 11 बजे का समय दिया है. वो विजय विश्वास पंत से मुलाकात कर मामले से जुड़े सबूत सौंपेंगे. बताया जा रहा है कि संजय सिंह 20 जून से SIT से मिलने का समय मांग रहे थे. हाल ही में लगाए गए आरोपों के बाद एसआईटी ने उन्हें बुलाया है. अब इस मुलाकात को जांच के लिए अहम माना जा रहा है. एसआईटी से मुलाकात का समय मिलने पर सांसद संजय सिंह ने एक वीडियो जारी किया है. इसमें उन्होंने कहा कि प्रभु श्रीराम जी के मंदिर में हुए चढ़ावा और चंदा चोरी की जांच करने वाली एसआईटी ने 25 जून को सुबह 11 बजे लखनऊ मंडलायुक्त कार्यालय पर मुझे बुलाया है. मैं जमीन घोटाले से संबंधित सारे दस्तावेज एसआईटी के अध्यक्ष को सौंपूंगा.

**आखिर चंदा चोर अभी तक ट्रस्ट में कैसे हैं?**

इससे पहले एक पोस्ट में आम आदमी पार्टी सांसद संजय सिंह ने लिखा था, 2 करोड़ की जमीन 18.5 करोड़ में, 3 करोड़ की जमीन 24 करोड़ में, 9 करोड़ की जमीन 55.47 करोड़ में चंपत राय ने खरीदी. सारे सबूत मेरे पास हैं. मुझे आज तक एसआईटी ने मिलने का समय नहीं दिया. आखिर चंदा चोर अभी तक ट्रस्ट में कैसे हैं? ट्रस्ट मोदी ने बनाया, लूट का माल बीजेपी को पहुंचा. बीजेपी उसी पैसे से देशभर में सांसद विधायक खरीद रही है. यही कारण है मोदी जी अब तक चंदा चोरी पर खामोश हैं.

**निष्पक्ष जांच और कड़ी कार्रवाई की मांग**

इसी मामले में एक अन्य पोस्ट में उन्होंने 21 जून को लिखा, भगवान श्रीराम के दानपात्र में हुए दान घोटाले के विरोध में AAP के कार्यकर्ताओं ने भिक्षाटन कर अपना विरोध दर्ज कराया. वाराणसी में जिलाध्यक्ष कैलाश पटेल के नेतृत्व में जनता से ?420 का प्रतीकात्मक सहयोग एकत्र कर चंपत राय को चेक भेजा और दान की पारदर्शिता सुनिश्चित करने की मांग उठाई. साथ ही चंपत राय और इस पूरे मामले में शामिल लोगों के खिलाफ निष्पक्ष जांच कर कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की गई.

## अयोध्या में जो हुआ वो महापाप, आस्था से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं अखिलेश यादव

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अयोध्या के राम मंदिर में चंदा चोरी को लेकर अखिलेश यादव ने जमकर निशाना साधते हुए कहा कि अयोध्या में जो हुआ वो महापाप हुआ. आस्था से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं होगा. लखनऊ अग्निकांड पर समाजवादी पार्टी के नेता ने कहा कि लखनऊ के अलीगंज घटना में बच्चों की जान बचाई जा सकती थी. अगर समय पर सभी सुविधाएं मौजूद होतीं और पहले से ध्यान दिया गया होता. राम मंदिर में चंदे चोरी को लेकर उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि पूरे प्रदेश, देश भर और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जो चढ़ावा आता है, यह सनातनी परंपरा है. अगर परंपरा पर अगर सवाल उठता है तो यह सही नहीं है, यह बहुत ही सेंसेटिव मुद्दा है.

**SIT का मतलब Share in theft: अखिलेश**

आयोध्या में चढ़ावे में चोरी क्या प्रशासन की नाकामी है, के सवाल पर अखिलेश यादव ने कहा, 'स्ढ्ढञ्ज का मतलब क्या हुआ, Share in theft? यह

विश्वास में सेंध हैं. ये महापाप हुआ है. आस्था के साथ खिलवाड़ हुआ है. 'मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के P ग्लोबल ग्रोथ डायलॉग 2026 और इन्वेस्टर रोड शो में हिस्सा लेने के लिए बेंगलुरु जाने को लेकर अखिलेश यादव ने कहा कि व्यक्तिगत स्वार्थ लाखों लाख एकड़ जमीने न जाने किसको दी जा रही हैं. अब बेंगलुरु में इन्वेस्टमेंट करने जा रहे हैं. ये बेंगलुरु में डोसा खाने जा रहे हैं. जब सरकार जानी है तो इन्वेस्टमेंट कौन लेकर आएगा.

**सभी सुविधाएं मौजूद होतीं तो कांड नहीं होता: अखिलेश**

उन्होंने प्रदेश सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि ये लोग जंगल को खत्म करने वाले लोग हैं. इन्वेस्टमेंट आया होता तो क्या नौकरी रोजगार नहीं होता. लखनऊ अग्निकांड पर अखिलेश यादव ने कहा, 'अलीगंज घटना में बच्चों की जान बचाई जा सकती थी, अगर समय पर सभी सुविधाएं मौजूद होतीं और पहले से ध्यान दिया होता तो यह कांड नहीं हुआ होता. सरकार अगर पहले जाग गई होती तो यह सब नहीं होता. महाकुंभ में कितनी बार आग लगी, लेवाना होटल में आग लगी तब सरकार ने कहा कि 24 घंटे में बुलडोजर चल जाएगा, लेकिन अपना होटल था तो बुलडोजर नहीं चला सके. उन्होंने कहा कि जो सरकार अकबर नगर के हजारों लोगों को हटा सकती है तो पिछले 10 सालों में सरकार कर क्या रही थी. सरकार की जिम्मेदारी थी सही समय पर चीजें की गई होती तो बच्चों की जान बचाई जा सकती थी. उन्होंने कहा कि आग लगने के बाद इनके पास दीवार तोड़ने के लिए औजार तक नहीं है. आग के बजाय दम घुटने से ज्यादा लोगों की जान गई.

## कुत्तों से कटवाया, कोड़े मारे गए'मुजफ्फरनगर घटना पर राहुल गांधी का सरकार पर हमला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

'लोकसभा सांसद और विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में बंधुआ मजदूरी की गंभीर घटना पर गहरी चिंता जताई है. सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पोस्ट शेयर करते हुए उन्होंने इस पूरी घटना को 'मानवीय गरिमा पर हमला' बताया. अपने इस पोस्ट में राहुल गांधी ने मजदूरों की इस हालत के पीछे सरकार को जिम्मेदार ठहराया है. सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करते हुए, लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा, 'मुजफ्फरनगर में मजदूरों से बंधुआ मजदूरी कराने का मामला बेहद चौंकाने वाला है. बिना मजदूरी दिए काम करवाने के अलावा, मजदूरों को कुत्तों से कटवाया गया, भाले से गोदा गया, कोड़े मारे गए, और उन्हें मवेशियों का चारा खिलाया गया. यह इंसानी गरिमा पर हमला है. पीड़ितों को न्याय के साथ पुनर्वास और दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए.

**सरकार की योजनाओं पर सवाल**

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आगे कहा, साथ ही हमें यह भी पूछना जरूरी है कि मजदूर ऐसी खतरनाक परिस्थितियों में किन मजबूरियों में फंस जाते हैं. उन्होंने सरकार की योजनाओं पर सवाल उठाते हुए कहा कि जब रोजगार खत्म हो जाते हैं, आमदनी ठहर जाती है, और सबसे कमजोर वर्गों के लिए बने मनरेगा और श्रम कानूनों जैसी सुरक्षाएं कमजोर कर दी जाती हैं, तो हताशा बढ़ती जाती है. जिन लोगों के पास कोई और विकल्प या सुरक्षा नहीं होती, वो ऐसे शोषण का आसान शिकार बन जाते हैं.

**यह घटना धराशाई हुई अर्थव्यवस्था का मलबा**

लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने आगे कहा, यह कोई आम आपराधिक घटना नहीं है. यह एक धराशाई हुई अर्थव्यवस्था का मलबा है. राहुल ने इस घटना को लेकर सरकार पर एक बार फिर बड़ा हमला बोला है. उन्होंने सवाल उठाया है कि आखिर मनरेगा और श्रम कानूनों जैसी सुरक्षाएं कहां गई हैं.

**क्या है पूरा मामला?**

उत्तर प्रदेश में मुजफ्फरनगर जनपद के मांडी गांव स्थित एक दोना निर्माण फैक्टरी में कथित तौर पर बंधुआ मजदूरी और मानव तस्करी का सनसनीखेज मामला सामने आया है. पुलिस ने छापेमारी कर 12 मजदूरों को बंधनमुक्त कराया है. पुलिस ने फैक्टरी संचालक अंकित बालियान के पिता प्रदीप बालियान और सुपरवाइजर शिवा त्यागी को गिरफ्तार किया है. मुख्य आरोपी अंकित बालियान और एक अन्य आरोपी की तलाश जारी है. पुलिस का दावा है कि जल्द ही उन्हें भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा.

## पासपोर्ट नागरिकता का प्रमाण नहीं, ये ट्रैवल डॉक्यूमेंट भारत के विदेश मंत्रालय का बयान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अगर आप पासपोर्ट को नागरिकता का सबूत समझते हैं तो विदेश मंत्रालय का ताजा बयान पढ़ लेना चाहिए. विदेश मंत्रालय के एक अधिकारी ने दो टूक कहा है कि पासपोर्ट मुख्य रूप से यात्रा का दस्तावेज है, नागरिकता का सबूत नहीं. उन्होंने ये भी बताया कि 2025 में 1.5 करोड़ पासपोर्ट और उससे जुड़ी सेवाएं दी गई, जिनमें से अकेले पासपोर्ट की संख्या 1.39 करोड़ थी. मंत्रालय के अधिकारी ने कहा कि पुलिस वेरिफिकेशन को छोड़कर, पासपोर्ट के लिए छह कामकाजी दिन लगते हैं. PSK (पासपोर्ट सेवा केंद्र) और POPSK (डाकघर पासपोर्ट सेवा केंद्र) में 45 मिनट से भी कम समय लगता है. देश भर में 545 पासपोर्ट केंद्र हैं. जबकि 10 साल पहले सिर्फ 77 पासपोर्ट केंद्र थे. केंद्रों की संख्या में छह गुना बढ़ोतरी हुई है. हमने पिछले साल 10 POPSK खोले थे. इस साल 10 और खोले जाएंगे.

**मंत्रालय ने और क्या बताया?**

अधिकारी ने कहा कि भारतीयों के लिए वीजा-फ्री एंट्री वाले देशों की संख्या 27 है,

जो 2019 में 16 थी. 47 देशों में भारतीयों के लिए 'वीजा ऑन अराइवल' की सुविधा है और 66 देश भारतीयों को इलेक्ट्रॉनिक वीजा देते हैं. ज़्यादातर यूरोप के साथ मोबिलिटी एग्रीमेंट (आवाजाही से जुड़े समझौते) किए गए हैं. ये एकेडमिक्स, छात्रों, अप्रेंटिस, आम पर्यटकों और कारोबारियों की आसान आवाजाही में मदद करते हैं. साथ ही ये गैर-कानूनी प्रवासियों की आसानी से वापसी के लिए एक सिस्टम भी बनाते हैं.

**क्या कहता है कानून?**

अगर आपका जन्म 1 जुलाई 1987 के बाद हुआ है तो यह साबित करने के लिए कि आप भारतीय नागरिक हैं, इसके लिए सिर्फ जन्म प्रमाण पत्र, पासपोर्ट या आधार कार्ड काफी नहीं हो सकता है. कानून के अनुसार, 1 जुलाई 1987 के बाद भारत में पैदा हुआ कोई व्यक्ति तब तक अपने-आप नागरिकता का दावा नहीं कर सकता, जब तक कि उसके माता-पिता में से कम से कम एक भारतीय न हो. साल 2013 में बॉम्बे हाई कोर्ट ने एक मामले में 4 लोगों को राहत देने से इनकार कर दिया था. इन पर अवैध प्रवासी होने का आरोप था, भले ही इन्होंने यह साबित करने के लिए पासपोर्ट (जो बाद में रद्द कर दिए गए थे), आधार कार्ड और जन्म प्रमाण पत्र पेश किए थे कि वे भारतीय हैं. जस्टिस केयू चंडीवाल ने उनकी याचिकाओं को खारिज करते हुए कहा, कानून के तहत ऐसे आवेदक के लिए यह साबित करना जरूरी है कि उसके माता-पिता भारतीय नागरिक थे. ऐसा कोई सबूत पेश नहीं किया गया है. कानून के तहत, अगर किसी व्यक्ति का जन्म 26 जनवरी 1950 को या उसके बाद लेकिन 1 जुलाई 1987 से पहले भारत में हुआ है, तो वह जन्म से भारतीय है. अगर किसी व्यक्ति का जन्म जुलाई 1987 के बाद हुआ है तो वह नागरिकता का दावा तभी कर सकता है जब उसके माता-पिता में से कोई एक नागरिक हो.

# भारतीय इतिहास:सत्य, आत्मसम्मान और आत्ममंथन की त्रिवेणी बने

लेखक: प्रो. (डा.) मनमोहन प्रकाश

मानव समाज की समय के साथ विकसित होती यात्रा का क्रमबद्ध एवं विवेचनात्मक विवरण इतिहास कहलाता है। इतिहास हमें अपने अतीत की सभ्यता, संस्कृति, सामाजिक संरचनाओं और राजनीतिक परिवर्तनों को समझने का अवसर प्रदान करता है। किन्तु इतिहास का यह उद्देश्य तभी सार्थक हो सकता है जब उसका लेखन और विश्लेषण तथ्यपरकता, निष्पक्षता और बौद्धिक ईमानदारी के साथ किया गया हो।?इतिहास केवल घटनाओं और तिथियों का संग्रह नहीं होता; वह किसी राष्ट्र की सामूहिक स्मृति, आत्मबोध और भविष्य-दृष्टि का आधार भी होता है। भारतीय इतिहास के संदर्भ में लंबे समय से एक विमर्श चलता रहा है कि विदेशी अथवा औपनिवेशिक शासन के दौर को केवल 'पराधीनता काल' कहा जाए अथवा उसे 'सतत संघर्ष काल' के रूप में भी समझा जाए। यह प्रश्न केवल शब्दों के चयन का नहीं, बल्कि इतिहास-दृष्टि, राष्ट्रीय चेतना और सामूहिक आत्मसम्मान से जुड़ा हुआ है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने भी यह विचार व्यक्त किया है कि भारत का इतिहास केवल गुलामी का नहीं, बल्कि निरंतर संघर्ष का इतिहास है। यह दृष्टिकोण भारतीयों की प्रतिरोधात्मक और पुनरुत्थान की प्रक्रियाओं को भी रेखांकित करता है। यह निर्विवाद है कि लगभग 12वीं शताब्दी के उत्तरार्ध से लेकर 1947 तक भारतीय उपमहाद्वीप के विभिन्न क्षेत्रों पर अलग-अलग समय में बाह्य मूल के शासकों तथा अंततः ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन का प्रभाव रहा। इस दौरान शासन, कर व्यवस्था, न्याय व्यवस्था तथा संसाधनों पर स्थानीय समाज का पूर्ण नियंत्रण सीमित हो गया था। संभवतः इसी ऐतिहासिक यथार्थ के आधार पर इस कालखंड को 'पराधीनता' कहा गया। किन्तु क्या इतने व्यापक और बहुआयामी कालखंड को केवल 'पराधीनता' की संज्ञा देकर समझा जा सकता है?

यदि भारतीय इतिहास का समग्र अध्ययन किया जाए, तो स्पष्ट दिखाई देता है कि राजनीतिक नियंत्रण के अनेक चरणों के समानांतर समाज में प्रतिरोध, सांस्कृतिक संरक्षण, पुनर्निर्माण और स्वाधीनता की चेतना निरंतर सक्रिय रही। भारत के इतिहास में ऐसा कोई कालखंड नहीं दिखाई देता जब संपूर्ण समाज ने निष्क्रिय होकर परिस्थितियों के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया हो।

मध्यकालीन भारत इसका सबसे प्रखर उदाहरण प्रस्तुत करता है। इस युग में जब दिल्ली सल्तनत और मुगल साम्राज्य अपने चरम पर थे, तब भी राजनीतिक और सांस्कृतिक प्रतिरोध कभी थमा नहीं। राजपूताना में मेवाड़ के शौर्य-प्रतीक महाराणा प्रताप का संघर्ष इसका अप्रतिम उदाहरण है। अकबर की विशाल सेना और अकूत संसाधनों के सामने घुटने टेकने के बजाय, महाराणा प्रताप ने जंगलों में रहकर, सीमित साधनों के बावजूद मातृभूमि की स्वतंत्रता और आत्मसम्मान के लिए जो अनवरत युद्ध लड़ा, उसने आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रतिरोध का एक अमर आदर्श स्थापित किया। उनका संघर्ष इस बात का प्रमाण है कि भारत

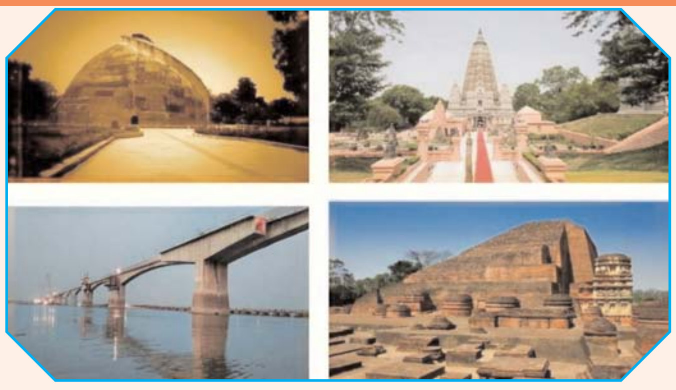

की आत्मा ने कभी पराधीनता को पूरी तरह स्वीकार नहीं किया।?इसी कालखंड में पूर्वोत्तर भारत में अहोम साम्राज्य ने वीर लाचित बोरफुकन के नेतृत्व में 1671 के सराईघाट युद्ध में मुगल विस्तार को निर्णायक रूप से रोका। दक्षिण भारत में विजयनगर साम्राज्य ने लंबे समय तक राजनीतिक और सांस्कृतिक शक्ति का केंद्र बने रहकर सनातन संस्कृति की रक्षा की। बाद के काल में छत्रपति शिवाजी महाराज द्वारा स्थापित 'हिन्दवी स्वराज्य' की अवधारणा तथा मराठा शक्ति का विस्तार भारतीय राजनीतिक पुनरुत्थान का स्वर्णिम अध्याय बना। वहीं, गुरु गोविंद सिंह जी द्वारा खालसा पंथ की स्थापना ने धार्मिक स्वतंत्रता और सामाजिक प्रतिरोध को एक नई और ओजस्वी दिशा प्रदान की। ब्रिटिश औपनिवेशिक काल में यह प्रतिरोध अधिक व्यापक और संगठित रूप ग्रहण करता दिखाई देता है। 1757 के प्लासी युद्ध के पश्चात विभिन्न क्षेत्रों में अनेक जन-विद्रोह हुए, जैसे संन्यासी आंदोलन, चुआर विद्रोह तथा 1855-56 का संथाल हुल। 1857 का स्वतंत्रता संग्राम भारतीय इतिहास का एक ऐसा क्रांतिकारी मोड़ था, जिसे औपनिवेशिक इतिहासकारों ने भले ही 'सिपाही विद्रोह' कहा हो, पर भारतीय चेतना इसे 'प्रथम स्वतंत्रता संग्राम' के रूप में देखती है।

इसके बाद सामाजिक और वैचारिक पुनर्जागरण की प्रक्रियाएँ भी समानांतर रूप से चलीं। राजा राममोहन राय, स्वामी दयानंद सरस्वती तथा स्वामी विवेकानंद जैसे चिंतकों ने समाज में आत्मचेतना, शिक्षा और सुधार के विचारों को बल दिया। 20वीं सदी में स्वदेशी आंदोलन, असहयोग, सविनय अवज्ञा और भारत छोड़ो आंदोलन ने स्वतंत्रता संघर्ष को व्यापक जन-आंदोलन का स्वरूप प्रदान किया। साथ ही दादाभाई नौरोजी द्वारा प्रतिपादित 'धन के निष्कासन सिद्धांत' ने औपनिवेशिक आर्थिक शोषण की वैचारिक परतें खोल दीं।

औपनिवेशिक काल के अनेक इतिहासकारों ने भारतीय समाज को अक्सर विभाजित, निष्क्रिय और बाह्य शक्तियों पर निर्भर समाज के रूप में प्रस्तुत किया। इसके विपरीत, आधुनिक भारतीय इतिहासकारों तथा उपनिवेशोत्तर अध्ययन की परंपरा ने यह सिद्ध किया है कि भारतीय समाज ने विभिन्न कालखंडों में अनुकूलन, प्रतिरोध और पुनर्निर्माण की उल्लेखनीय क्षमता प्रदर्शित की। हालाँकि , इतिहास को केवल 'संघर्ष काल' के रूप में देखना भी पर्याप्त नहीं होगा; क्योंकि ऐसा करने पर राजनीतिक पराधीनता, आर्थिक दोहन, सामाजिक विसंगतियों और औपनिवेशिक नीतियों के क्रूर प्रभावों को कम करके आँकने का जोखिम उत्पन्न हो सकता है। इसी प्रकार यदि इतिहास को केवल 'पराधीनता काल' कहकर सीमित कर दिया जाए, तो हमारे पूर्वजों के संघर्ष, आत्मसम्मान और स्वतंत्रता चेतना के अनेक गौरवशाली आयाम छिप जाएंगे।

**अतः** अधिक संतुलित दृष्टिकोण यह प्रतीत होता है कि भारतीय इतिहास के इन कालखंडों को 'पराधीनता और सतत संघर्ष' दोनों के सहअस्तित्व' के रूप में समझा जाए। यह दृष्टि न तो ऐतिहासिक पीड़ा को नकारती है और न ही प्रतिरोध और पुनरुत्थान की हमारी महान परंपरा को। इतिहास का उद्देश्य केवल यह बताना नहीं है कि हमारे साथ क्या हुआ, बल्कि यह भी है कि हमने परिस्थितियों का सामना कैसे किया। इसलिए इतिहास को इस प्रकार पढ़ना और लिखना आवश्यक है कि वह सत्य, आत्मसम्मान और आत्ममंथन, तीनों का संतुलन बनाए रखे।

**महेन्द्र तिवारी**

# लखनऊ- कब रुकेंगी ये आग की घटनाएं?

**संपादक/लेखकः राजीव शुक्ला**

22 जून 2026 की दोपहर लखनऊ के अलीगंज इलाके में जो हुआ, उसने पूरे शहर की नींद उड़ा दी। अलीगंज के उषा मेहता मार्ग पर एक तीन मंजिला व्यावसायिक इमारत में भीषण आग लगी। इमारत की दूसरी मंजिल पर कोचिंग सेंटर चल रहा था। तीसरे तल पर गेमिंग जोन और सॉफ्टवेयर ऑफिस था। नीचे पेट शॉप थी। तीन घंटे के आग के तांडव में 15 जिंदगियां खत्म हो गई। दोपहर करीब 3 बजे आग की लपटें उठीं। चश्मदीदों के मुताबिक आग तेजी से फैली क्योंकि अंदर बड़ी मात्रा में लकड़ी का फर्नीचर था। धुआं इतना घना था कि कुछ दिखाई नहीं दे रहा था। जो छात्र दूसरी मंजिल पर थे, उन्होंने खुद को बाथरूम में बंद कर लिया। कुछ ने जान बचाने के लिए छत से कूद लगाई। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में एक युवक पहली मंजिल से गिरता दिखा। दमकल की 14 गाड़ियां और हाइड्रोलिक सीढ़ी वाली गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। बचावकर्मियों ने बगल की इमारत की दीवार तोड़कर अंदर प्रवेश किया। गीले कंबल लेकर हर कमरे, हर शौचालय की तलाशी ली गई। केजीएमयू के मुताबिक 22 लोगों को अस्पताल लाया गया, जिसमें से 15 को मृत घोषित कर दिया गया। 4 घायल बच्चे अभी भी केजीएमसी ट्रॉमा सेंटर में हैं। सिस्टम की नाकामी फिर सामने आई- ये हादसा अकेला नहीं है। हर बार आग लगती है, कुछ जानें जाती हैं, जांच के आदेश होते हैं, मुआवजा बंटता है, और फिर सब भूल जाते हैं। हर बार सवाल वही हैः फायर हह्ष्ट था या नहीं? कोचिंग सेंटर दूसरी मंजिल पर चल रहा था, जहां निकास का एक ही रास्ता था। नियम कहते हैं कि स्कूल-कोचिंग में दो निकास होने चाहिए। भीड़ प्रबंधन कहां था? 20-25 छात्र एक साथ फंसे थे। कोई अलार्म, कोई फायर ड्रिल नहीं। इमारत का इस्तेमालः नीचे पेट शॉप, ऊपर कोचिंग और गेमिंग जोन। कमर्शियल और एजुकेशनल स्पेस एक साथ। बहुत बड़ा सवाल यह है कि क्या बिल्डिंग का नक्शा पास था? उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने खुद कहा कि इमारत में घना धुआं था और कुछ दिखाई नहीं दे रहा था। डिप्टी सीएम मौके पर बच्चों के शव देखकर रो पड़े। सरकार की प्रतिक्रिया- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अलीगढ़ का दौरा बीच में छोड़कर लखनऊ लौट आए। उन्होंने SIT गठित की है - अमृत अभिजात, अपर मुख्य सचिव और प्रवीण कुमार, ADG लखनऊ जोन को 7 दिन में रिपोर्ट देनी है।

मृतकों के परिजनों को 5-5 लाख और घायलों को 50 हजार रुपए मुआवजे का ऐलान हुआ है। पीएम मोदी, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, राहुल गांधी, अखिलेश यादव ने शोक जताया है। 4 आरोपी गिरफ्तार भी हो गए हैं। इंसानी दर्द के अलावा एक और तस्वीर-

इमारत के निचले हिस्से में पेट शॉप थी। अफरातफरी में लोग अपनी जान बचाने में लगे थे। कुछ पालतू कुत्तों को बाहर निकाल लिया गया, लेकिन कई बेजुबान अंदर रह गए। फायरकर्मियों ने एक बिल्ली को बचाया, जो पूरी तरह पानी में भीगी हुई थी। ये तस्वीर बताती है कि हादसा सिर्फ इंसानों का नहीं था। अब आगे क्या होगा? लखनऊ में कोचिंग सेंटरों की बाढ़ है। हजरतगंज, अलीगंज, गोमतीनगर में सैकड़ों सेंटर बेसमेंट और ऊपर की मंजिलों पर चल रहे हैं। ज्यादातर के पास फायर सेफ्टी के नाम पर सिर्फ एक बाल्टी और एक एक्सटिंग्विशर है। शहर के सभी कोचिंग, कोचिंग, गेमिंग जोन का फायर ऑडिट हो। जो फेल हो, तुरंत बंद। जिम्मेदारी तय होः सिर्फ 4 लोगों को गिरफ्तार करने से कुछ नहीं होगा। बिल्डिंग ओनर, कोचिंग मालिक, जिसने एनओसी दिया, सब पर कार्रवाई हो। मॉक ड्रिल अनिवार्य होः हर 3 महीने में फायर ड्रिल। बच्चे जानें कि आग लगे तो कहां भागना है। कमर्शियल-रेजिडेंशियल मिक्स पर रोक- रिहायशी इलाकों में ऐसी व्यावसायिक गतिविधियों पर सख्त रोक। लखनऊ का अलीगंज हादसा फिर बता रहा है कि हम हादसे के बाद जागते हैं, पहले नहीं। 15 बच्चे जो कोचिंग पढ़ने गए थे, वो लाश बनकर लौटे। मुआवजा और SIT रिपोर्ट से मृतकों के परिवारों का दर्द कम नहीं होगा। कम होगा तो तब, जब अगली बार किसी कोचिंग में आग लगे तो निकास का रास्ता खुला हो, अलार्म बजे, और बच्चा बिना डरे बाहर निकल सके। आज लखनऊ समेत पूरा प्रदेश और देश शोक में है। कल फिर वही लापरवाही होगी, अगर हम सिर्फ खबर पढ़कर भूल गए।

# न्यायिक जांच के घेरे में चर्चित भरत तिवारी मुठभेड़ प्रकरण

बिहार के भोजपुर जिले के शाहपुर थाना क्षेत्र स्थित बिलौटी गांव में 17 जून 2026 को हुई एक घटना ने पूरे देश का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। भरत भूषण तिवारी उर्फ भरत तिवारी नामक युवक की पुलिस कार्रवाई के दौरान हुई मौत ने केवल एक स्थानीय विवाद का रूप नहीं लिया, बल्कि देखते ही देखते यह मामला प्रशासन, राजनीति, न्याय व्यवस्था और नागरिक अधिकारों से जुड़ी बड़ी बहस का विषय बन गया। घटना के बाद सामने आए अलग-अलग दावों और आरोपों ने इस प्रकरण को और अधिक संवेदनशील बना दिया है। एक ओर पुलिस इसे आत्मरक्षा में की गई कार्रवाई बता रही है, वहीं दूसरी ओर मृतक के परिजन, समर्थक और अनेक ग्रामीण इसे सुनियोजित फर्जी मुठभेड़ कह रहे हैं। यही कारण है कि इस घटना ने देश भर में तीखी प्रतिक्रियाएं पैदा की हैं और अब सबकी निगाहें न्यायिक जांच पर टिकी हुई हैं।

पुलिस के अनुसार भरत तिवारी पिछले कुछ समय से सामाजिक माध्यमों पर अत्यधिक सक्रिय था। प्रशासन का दावा है कि उसके द्वारा किए गए कुछ प्रसारण और संदेश सार्वजनिक शांति तथा प्रशासनिक व्यवस्था के लिए खतरा बनते जा रहे थे। पुलिस का कहना है कि उसने कुछ वरिष्ठ अधिकारियों को खुले तौर पर धमकी दी थी और उसके पास अवैध हथियार भी था। पुलिस के आधिकारिक विवरण के अनुसार उसे गिरफ्तार करने के लिए एक विशेष दल बिलौटी गांव पहुंचा था। पुलिस का दावा है कि गिरफ्तारी की कोशिश के दौरान भरत ने आत्मसमर्पण करने के बजाय पुलिस दल पर गोलीबारी शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोली चलाई, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया। बाद में अस्पताल ले जाते समय उसकी मृत्यु हो गई। पुलिस का यह भी कहना है कि इस कार्रवाई के दौरान उनके वाहन को नुकसान पहुंचा और जवानों की जान को वास्तविक खतरा था, इसलिए आत्मरक्षा में बल प्रयोग करना आवश्यक हो गया था।

घटना का दूसरा पक्ष इससे बिल्कुल अलग तस्वीर पेश करता है। भरत तिवारी के पिता काशीनाथ तिवारी, अन्य परिजन और गांव के अनेक लोग पुलिस के पूरे घटनाक्रम को झूठा और मनगढ़ंत बता रहे हैं। उनका आरोप है कि पुलिस ने पहले से ही भरत को निशाना बना रखा था। परिजनों का कहना है कि पुलिस द्वारा घेराबंदी किए जाने के बाद भरत ने अपना हथियार दूर फेंक दिया था और वह आत्मसमर्पण के लिए तैयार था। उनका दावा है कि वह उस समय पुलिस के लिए कोई खतरा नहीं था, फिर भी उसे बेहद नजदीक से गोली मारी गई। परिवार का कहना है कि यदि वह वास्तव में आत्मसमर्पण कर चुका था, तो उसे गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जाना चाहिए था, न कि उसकी जान ले ली जानी चाहिए थी। इसी आधार पर वे इस घटना को फर्जी मुठभेड़ और मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन बता रहे हैं। इस मामले का एक सामाजिक पक्ष भी सामने आया है, जिसने विवाद को और गहरा कर दिया। ग्रामीणों और समर्थकों के अनुसार भरत तिवारी क्षेत्र में बाढ़, नदी कटाव और विस्थापन जैसे मुद्दों को लेकर सक्रिय था। बताया जाता है कि वह विशेष रूप से उन लोगों की समस्याओं को उठा रहा था जो प्राकृतिक आपदाओं और प्रशासनिक उपेक्षा से प्रभावित थे। उसके समर्थकों का आरोप है कि वह स्थानीय स्तर पर जनहित के प्रश्नों को मजबूती से उठा रहा था और इसी कारण कुछ प्रभावशाली लोगों तथा प्रशासन के निशाने पर आ गया। हालांकि इन आरोपों के समर्थन में अभी तक कोई न्यायिक निष्कर्ष सामने नहीं आया है, लेकिन इन दावों ने जनभावनाओं को प्रभावित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

घटना के बाद भोजपुर जिले में तनावपूर्ण स्थिति पैदा हो गई। हजारों लोगों ने विरोध प्रदर्शन करते हुए आरा से बक्सर जाने वाले प्रमुख मार्ग को जाम कर दिया। प्रदर्शनकारियों की मांग थी कि मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए और जिम्मेदार पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। विरोध की तीव्रता इस बात का संकेत थी कि यह मामला केवल एक व्यक्ति की मृत्यु तक सीमित नहीं रहा, बल्कि लोगों के मन में पहले से मौजूद अविश्वास और असंतोष भी इसके साथ जुड़ गया। कई स्थानों पर लोगों ने न्याय की मांग को लेकर नारे लगाए और प्रशासन के खिलाफ आक्रोश व्यक्त किया।

विवाद उस समय और बढ़ गया जब पुलिस ने प्रदर्शन और विरोध से जुड़े कुछ लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की। इनमें मृतक के परिजन तथा स्थानीय जनप्रतिनिधि भी शामिल बताए गए। विरोधियों ने इसे दबाव बनाने की कोशिश बताया, जबकि प्रशासन का कहना था कि कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम उठाए गए। इस कार्रवाई ने बहस को और तेज कर दिया क्योंकि एक वर्ग का मानना था कि विरोध कर रहे लोगों को डराने का प्रयास किया जा रहा है, जबकि दूसरा वर्ग इसे कानून व्यवस्था बनाए रखने की सामान्य प्रक्रिया मान रहा था।

राजनीतिक स्तर पर भी इस घटना ने व्यापक प्रतिक्रिया उत्पन्न की। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों के कई नेताओं ने मामले पर चिंता व्यक्त की। कुछ नेताओं ने पुलिस कार्रवाई पर सवाल उठाए और निष्पक्ष जांच की मांग की, जबकि कुछ ने कानून व्यवस्था बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया। राजनीतिक दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर भी शुरू हुआ। विपक्ष ने इसे प्रशासनिक विफलता और पुलिस की मनमानी का उदाहरण बताया, जबकि सरकार समर्थक नेताओं ने कहा कि अंतिम निष्कर्ष जांच के बाद ही निकाला जाना चाहिए। इस प्रकार यह मामला केवल कानून और व्यवस्था का प्रश्न नहीं रहा, बल्कि राजनीतिक विमर्श का भी महत्वपूर्ण विषय बन गया।

किसी भी कथित मुठभेड़ के मामले में सबसे महत्वपूर्ण तत्व साक्ष्य होते हैं। घटनास्थल से प्राप्त सामग्री, हथियारों की जांच, गोलियों की दिशा, दूरी, चिकित्सकीय परीक्षण, शव परीक्षण रिपोर्ट, प्रत्यक्षदर्शियों के बयान और अन्य वैज्ञानिक प्रमाण ही यह तय कर सकते हैं कि वास्तव में क्या हुआ था। यदि पुलिस का दावा सही है, तो जांच में ऐसे प्रमाण मिलने चाहिए जो यह सिद्ध करें कि पुलिस दल पर वास्तविक हमला हुआ था और आत्मरक्षा के अलावा कोई विकल्प नहीं था। दूसरी ओर यदि परिजनों का आरोप सही है, तो जांच में ऐसे तथ्य सामने आ सकते हैं जो यह साबित करें कि भरत तिवारी आत्मसमर्पण कर चुका था या उसे अनुचित परिस्थितियों में गोली मारी गई थी।

भारत का संविधान प्रत्येक नागरिक को जीवन और स्वतंत्रता का अधिकार प्रदान करता है। इसलिए किसी भी पुलिस कार्रवाई में कानून द्वारा निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन अत्यंत आवश्यक माना जाता है। सर्वोच्च न्यायालय ने भी विभिन्न मामलों में स्पष्ट किया है कि पुलिस मुठभेड़ों की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच होनी चाहिए ताकि जनता का विश्वास बना रहे। यही कारण है कि जब भी किसी मुठभेड़ को लेकर विवाद पैदा होता है, तब निष्पक्ष जांच की मांग तेज हो जाती है। भरत तिवारी प्रकरण भी इसी श्रेणी का मामला बन गया है, जहां जनता का एक बड़ा वर्ग जांच के माध्यम से सच्चाई सामने आने की प्रतीक्षा कर रहा है। बढ़ते जनदबाव, राजनीतिक प्रतिक्रियाओं और विवाद की गंभीरता को देखते हुए बिहार सरकार ने इस मामले की न्यायिक जांच कराने का निर्णय लिया। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सेवानिवृत्त उच्च न्यायालय न्यायाधीश की अध्यक्षता में जांच के आदेश दिए। इस निर्णय को कई लोगों ने सकारात्मक कदम माना क्योंकि न्यायिक जांच को सामान्य प्रशासनिक जांच की तुलना में अधिक स्वतंत्र और विश्वसनीय माना जाता है। अब उम्मीद की जा रही है कि जांच के दौरान सभी पक्षों को अपनी बात रखने का अवसर मिलेगा और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर निष्कर्ष निकाला जाएगा।

आज इस मामले में सबसे बड़ी आवश्यकता संयम और निष्पक्षता की है। भावनाएं स्वाभाविक रूप से तीव्र हैं क्योंकि एक युवक की मृत्यु हुई है और उसके परिवार ने अपना सदस्य खोया है। दूसरी ओर पुलिस का भी दावा है कि उसके जवानों की सुरक्षा खतरे में थी। ऐसे में किसी भी पक्ष को पहले से दोषी या निर्दोष घोषित करना उचित नहीं होगा। लोकतांत्रिक व्यवस्था की मजबूती इसी में है कि विवादों का समाधान तथ्यों, साक्ष्यों और न्यायिक प्रक्रिया के आधार पर हो। भरत तिवारी प्रकरण ने बिहार में पुलिस जवाबदेही, नागरिक अधिकारों, प्रशासनिक पारदर्शिता और न्यायिक प्रक्रिया पर एक व्यापक चर्चा को जन्म दिया है। यह मामला केवल एक व्यक्ति की मौत की जांच नहीं है, बल्कि यह उस विश्वास की भी परीक्षा है जो जनता राज्य की संस्थाओं पर करती है। आने वाले समय में न्यायिक जांच की रिपोर्ट ही यह स्पष्ट करेगी कि बिलौटी गांव में वास्तव में क्या हुआ था। तब तक यह घटना एक ऐसे प्रश्न की तरह बनी हुई है जिसका उत्तर पूरा बिहार जानना चाहता है। क्या यह कानून के तहत की गई अनिवार्य कार्रवाई थी, या फिर एक ऐसे नागरिक की मौत, जिसे न्यायिक प्रक्रिया का अवसर मिलना चाहिए था? इस प्रश्न का अंतिम उत्तर अब जांच और न्यायिक निष्कर्षों के हाथ में है।

**महेन्द्र तिवारी**

# उपहार की राख से लखनऊ की लपटों तक

सन 1997 में यही जून का महिना था जब दिल्ली के मशहूर उपहार सिनेमा में बॉर्डर फिल्म लोगों के द्वारा देखी जा रही थी , तभी अचानक से बेसमेंट में लगे इलेक्ट्रिक ट्रांसफॉर्मर में आग लग गई और देखते ही देखते पूरे सिनेमा हाल के अन्दर धुआँ भर गया था। इस अफरा तफरी में 59 लोगों की जान गई थी और साथ ही 100 से अधिक लोग घायल हुए थे ऐसा इसलिए हुआ था क्यूंकी उस सिनेमा हाल में निकास द्वार ही बंद थे और एमरजेन्सी लाइट काम ही नहीं कर रही थी। अंसल बंधुओं ने सुरक्षा के सारे मानक को ताक पर रख दिया था विडम्बना यह थी कि जिनके सगे संबंधी इस दुर्घटना में अपनी जान गवाई उनके लिए भी न्याय मिलना आसान नहीं था। पीड़ित परिवारों ने एसोसिएशन ऑफ विक्टिम्स ऑफ उपहार ट्रैजडी बनाकर 23 वर्ष की एक लंबी कानूनी लड़ाई लड़ी तब जाकर उन्हे न्याय मिला। विभिन्न जांच से यह पता चला कि उस सिनेमा हाल में न तो पर्याप्त अग्नि सुरक्षा थी और आपातकालीन दरवाजे भी अवरुद्ध थे साथ ही ट्रान्स्फॉर्मर के रखरखाव में भी लापरवाही थी। इस घटना के बाद विभिन्न सरकारों की नींद खुली और उन्होंने इस दुर्घटना को नजीर मानते हुए बहुत से मानकों का निर्धारण किया गया जैसे पर्याप्त आपातकालीन निकास , भवन की उचाई के अनुसार अग्निशमन की व्यवस्था की जाएगी , अग्निशामक यंत्र लगाए जाएंगे और फायर अलार्म लगाए जाएंगे ,एनओसी लेना अनिवार्य किया जाएगा। लेकिन ये सारे दावे ढाक के तीन पात साबित हुए। ऐसे में जब आज फिर लखनऊ के अलीगंज में जब आग लगने की त्रासदी होती है तो शासन प्रशासन का असली रूप सामने आता है। जब 15 मासूमों की जान गई तो इसके गुनहगारों को सजा मिलेगी भी या नहीं ये तो जांच के बाद ही पता चलेगा लेकिन पीड़ित परिवारों के दर्द महज मुआवजों से कम हो जाएगा। प्रथम दृष्ट्या मामला एनओसी न लेकर बनाये जाने की बात हो रही है लेकिन एक बात यह नहीं समझ मे आती है कि जब दुर्घटना घटित हो जाती है तब ये पता चलता है कि बिल्डिंग ने मानक का पालन नहीं किया। लेकिन इन नाकाम नगर निगम, फायर सर्विस विभाग और भवन के मालिक इतने लापरवाह हो जाते हैं कि इनको फर्क ही नहीं पड़ता कि कितनी आग लग रही , कितने लोग मर रहे। सोचने वाली बात तो यह है कि जब देश या राज्यों की राजधानी में सुरक्षा मानकों से खिलवाड़ किया जा रहा है तो बाकी अन्य बड़े शहरों में क्या स्थिति होगी। जिम्मेदार अधिकारी प्रतिदिन उन्ही रास्तों से गुजरतें हैं वे सब देखते हैं कि कैसे बिजली के खंभों पर तारों का जंजाल लगा रहता है साथ ही अस्त व्यस्त भवनों का निर्माण हुआ रहता है लेकिन वे आंखे मूँदे रहते हैं 7 इन सबका मुख्य कारण उच्च स्तर से लेकर निचले स्तर तक विद्यमान भ्रष्टाचार और कुख्यात गठजोड़ होता है, सबका कमिशन तय होता है। आखिर कैसे इन घटनाओ पर लगाम लगाई जाए कैसे देश के हुक्मरानों की जवाबदेही तय की जाए क्यूंकी दिक्कत यह है की देश की जनता को भूलने की बीमारी बहुत ज्यादा है , कुछ दिन सारे समाचार पत्र और न्यूज चैनल्स इसे दिखाएंगे फिर उन्हे कोई और मुद्दा मिल जाएगा लेकिन उन परिवारजनों का क्या जिनके सपने उनके बच्चों के साथ ही दफन हो गए। जरूरत है इन घटनाओ से सबक लेने की।

**मंगल सिंह**

## दैनिक राशिफल

**मेष** आज आत्मविश्वास बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। परिवार के साथ समय सुखद रहेगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

**वृषभ** धैर्य और समझदारी से काम लें। धन संबंधी मामलों में लाभ के योग हैं। नौकरी में वरिष्ठों का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक विवादों से बचें।

**मिथुन** नए संपर्क लाभदायक सिद्ध होंगे। व्यापार में उन्नति के संकेत हैं। विद्यार्थियों के लिए दिन अनुकूल रहेगा। यात्रा के योग बन सकते हैं।

**कर्क** भावनाओं में बहकर कोई निर्णय न लें। कार्यक्षेत्र में मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

**सिंह** भाग्य का साथ मिलेगा। रुके हुए कार्य पूरे हो सकते हैं। नौकरी और व्यापार में सफलता के अवसर मिलेंगे। सम्मान में वृद्धि होगी।

**कन्या** आर्थिक मामलों में सावधानी रखें। खर्चों पर नियंत्रण आवश्यक है। करियर में नई संभावनाएं सामने आ सकती हैं। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा।

**तुला** साझेदारी के कार्यों में लाभ होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। प्रेम संबंधों में मधुरता आएगी। स्वास्थ्य पहले से बेहतर रहेगा।

**वृश्चिक** कार्यस्थल पर प्रतिस्पर्धा बढ़ सकती है। मेहनत और लगन से सफलता मिलेगी। शत्रु पक्ष कमजोर रहेगा। धन लाभ के योग हैं।

**धनु** रचनात्मक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। शिक्षा और करियर के क्षेत्र में शुभ समाचार मिल सकता है। परिवार में खुशियों का माहौल रहेगा।

**मकर** घर-परिवार से जुड़े मामलों में व्यस्तता रहेगी। संपत्ति संबंधी कार्यों में लाभ हो सकता है। नौकरी में स्थिरता बनी रहेगी।

**कुंभ** संचार और संपर्क से लाभ मिलेगा। छोटे भाई-बहनों का सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार में नए अवसर मिल सकते हैं। यात्रा शुभ रहेगी।

**मीन** आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। निवेश से लाभ मिलने की संभावना है। परिवार में सुखद वातावरण रहेगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

**करियर राशिफल (22 जून 2026)**

**मेष, सिंह, धनुः** पदोन्नति या नई जिम्मेदारी मिलने के योग।

**वृषभ, कन्या, मकरः** मेहनत का फल मिलेगा, आर्थिक लाभ संभव।

**मिथुन, तुला, कुंभः** नए संपर्क और नेटवर्किंग से करियर में फायदा।

**कर्क, वृश्चिक, मीनः** धैर्य और एकाग्रता से कार्य करने पर सफलता मिलेगी।

# पिछले बारह महीनों में भीषण अग्निकांड और उनसे न सीख पाने की त्रासदी

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के अलीगंज स्थित एक कोचिंग एवं एनीमेशन सेंटर में 22 जून 2026 को हुई भीषण आग की घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया। इस हादसे में 15 लोगों की जान चली गई, जिनमें अधिकांश युवा छात्र थे। किकई छात्र धुएं में फंस गए, कुछ ने खिड़कियों से छलांग लगाकर जान बचाने की कोशिश की और कई दम घुटने से काल के गाल में समा गए। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि भवन में आपातकालीन निकास की व्यवस्था नहीं थी और अग्नि सुरक्षा मानकों का गंभीर उल्लंघन किया गया था। इस दर्दनाक घटना ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिर बार-बार होने वाले अग्निकांडों से देश कब सबक लेगा।

पिछले बारह महीनों पर नजर डालें तो देश के विभिन्न हिस्सों में कई बड़े अग्निकांड हुए हैं, जिनमें सैकड़ों लोगों की जान गई और हजारों परिवार प्रभावित हुए। इनमें अस्पताल, होटल, कोचिंग सेंटर, औद्योगिक इकाइयां, व्यापारिक प्रतिष्ठान और आवासीय भवन शामिल रहे। लगभग हर घटना के बाद जांच बैठी, मुआवजे की घोषणा हुई और जिम्मेदारों पर कार्रवाई की बात कही गई, लेकिन कुछ समय बाद सब कुछ सामान्य हो गया और सुरक्षा संबंधी कमियां जस की तस बनी रहीं।

जून 2026 में दिल्ली के मालवीय नगर क्षेत्र के एक होटल में लगी भीषण आग ने 20 से अधिक लोगों की जान ले ली। इस घटना ने राजधानी में होटल सुरक्षा मानकों की पोल खोल दी। जांच में सामने आया कि कई होटलों में अग्निशमन उपकरण या तो खराब थे या उनका रखरखाव नहीं किया गया था। होटल कर्मचारियों को आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने का प्रशिक्षण भी पर्याप्त नहीं था। यही कारण रहा कि आग लगने के बाद अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में लोग बाहर नहीं निकल सके।

इसके पहले विभिन्न राज्यों में औद्योगिक इकाइयों में भी कई बड़े अग्निकांड सामने आए। रासायनिक कारखानों, प्लास्टिक उद्योगों और गोदामों में लगी आग ने भारी जनहानि और आर्थिक नुकसान पहुंचाया। अधिकांश मामलों में पाया गया कि सुरक्षा उपकरणों की नियमित जांच नहीं की गई थी। कई इकाइयों में ज्वलनशील पदार्थों का भंडारण नियमों के अनुरूप नहीं था। कर्मचारियों को अग्नि सुरक्षा प्रशिक्षण भी नहीं दिया गया था। परिणामस्वरूप छोटी सी चूक बड़े हादसे में बदल गई।

अस्पतालों में लगी आग की घटनाएं भी चिंता का विषय बनी रहीं। पिछले वर्षों में कई अस्पतालों में आग लगने से मरीजों की मौत हुई थी, लेकिन इसके बावजूद अनेक अस्पतालों में फायर सेफ्टी ऑडिट समय पर नहीं हो रहे हैं। कई भवनों में निकासी मार्ग बाधित रहते हैं और बिजली व्यवस्था भी मानकों के अनुरूप नहीं होती। अस्पतालों जैसे संवेदनशील संस्थानों में ऐसी लापरवाही सीधे मानव जीवन को खतरे में डालती है।

शैक्षणिक संस्थानों और कोचिंग सेंटरों में अग्नि सुरक्षा की स्थिति विशेष रूप से चिंताजनक है। वर्ष 2023 में दिल्ली के मुखर्जी नगर स्थित कोचिंग सेंटर में आग लगने के बाद केंद्र सरकार ने दिशा-निर्देश जारी किए थे। इनमें फायर एनओसी, पर्याप्त वेंटिलेशन, आपातकालीन निकास और नियमित सुरक्षा निरीक्षण को अनिवार्य बनाया गया था। लेकिन लखनऊ की हालिया घटना ने दिखा दिया कि इन नियमों का पालन सुनिश्चित नहीं हो पाया। जिस भवन में आग लगी, वहां फायर एनओसी और सुरक्षित निकास मार्ग जैसी बुनियादी व्यवस्थाओं का अभाव बताया जा रहा है।

विशेषज्ञों का मानना है कि भारत में अग्निकांडों की सबसे बड़ी वजह नियमों का कमजोर पालन है। भवन निर्माण के दौरान सुरक्षा मानकों को नजरअंदाज किया जाता है। कई व्यावसायिक प्रतिष्ठान बिना आवश्यक अनुमति के संचालित होते रहते हैं। स्थानीय प्रशासन और संबंधित विभागों की नियमित निगरानी नहीं होने से ऐसे संस्थान वर्षों तक चलते रहते हैं। जब कोई बड़ा हादसा होता है, तब जाकर उनकी कमियां सामने आती हैं।

एक अन्य गंभीर समस्या अनधिकृत निर्माण और भवनों का गलत उपयोग है। कई आवासीय भवनों को व्यावसायिक गतिविधियों के लिए इस्तेमाल किया जाता है। संकरी गलियां, सीमित प्रवेश द्वार और बिजली के अव्यवस्थित कनेक्शन आग लगने पर खतरे को कई गुना बढ़ा देते हैं। लखनऊ की घटना में भी भवन की संरचना और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठे हैं।

अग्निकांडों के बढ़ते मामलों में विद्युत शॉर्ट सर्किट भी प्रमुख कारण बनकर सामने आता है। अत्यधिक भार, पुराने तार, खराब उपकरण और नियमित रखरखाव की कमी से आग लगने का खतरा बढ़ जाता है। गर्मी के मौसम में एयर कंडीशनर और अन्य विद्युत उपकरणों का उपयोग बढ़ने से जोखिम और अधिक हो जाता है। कई मामलों में प्रारंभिक जांच में विद्युत खराबी को आग का कारण बताया गया है।

इन घटनाओं का सामाजिक प्रभाव भी गहरा होता है। किसी परिवार का युवा सदस्य, कमाने वाला व्यक्ति या पढ़ाई कर रहा छात्र जब ऐसे हादसे में जान गंवाता है तो केवल एक व्यक्ति की मृत्यु नहीं होती, बल्कि पूरे परिवार के सपने टूट जाते हैं। लखनऊ में भी अधिकांश मृतक युवा छात्र थे, जो अपने भविष्य को संवारने के लिए प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे थे। उनके परिवारों पर दुख का पहाड़ टूट पड़ा है।

सरकारों द्वारा समय-समय पर नियम बनाए जाते हैं, लेकिन उनकी प्रभावी निगरानी और क्रियान्वयन सबसे बड़ी चुनौती है। केवल कागजों पर मौजूद सुरक्षा प्रमाणपत्र किसी हादसे को नहीं रोक सकते। नियमित निरीक्षण, जवाबदेही तय करना, दोषियों पर कठोर कार्रवाई और जनता में जागरूकता बढ़ाना आवश्यक है। भवन मालिकों, संस्थान संचालकों और प्रशासन को समान रूप से जिम्मेदारी निभानी होगी।

लखनऊ का अग्निकांड केवल एक शहर या एक संस्थान की त्रासदी नहीं है। यह पूरे देश के लिए चेतावनी है। पिछले बारह महीनों में हुए भीषण अग्निकांडों ने स्पष्ट कर दिया है कि सुरक्षा नियमों की अनदेखी का परिणाम कितना भयावह हो सकता है। यदि अब भी प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो ऐसे हादसे भविष्य में भी दोहराए जाते रहेंगे। आवश्यकता इस बात की है कि हर अग्निकांड को केवल समाचार बनाकर भुलाया न जाए, बल्कि उसे सुधार और सुरक्षा के अवसर के रूप में देखा जाए। तभी निर्दोष लोगों की जान बचाई जा सकेगी और देश ऐसी त्रासदियों से सुरक्षित भविष्य की ओर बढ़ सकेगा।

**कांतिलाल मांडोत**

**स्वामी**- स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ल द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला बिजय लक्ष्मी नगर परगना सौराचाद तहसील व जनपद सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, होनेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में तमे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोटः** उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादों का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.NI NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0-9511151254, E-Mail: news@swatantraprabhat.com

## संक्षिप्त खबरें

### प्रेमिका से मिलने पहुंचे शादीशुदा युवक को पत्नी ने रंगे हाथ पकड़ा, गांव में मचा हंगामा

**लालगंज (रायबरेली)।** कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में सोमवार देर रात उस समय हंगामा खड़ा हो गया, जब प्रेमिका से मिलने पहुंचे एक शादीशुदा युवक को उसकी पत्नी ने रंगे हाथ पकड़ लिया। सूचना पर पहुंची पुलिस युवक को हिरासत में लेकर थाने ले गई, जहां बाद में उसका चालान कर दिया गया। पुलिस के अनुसार, लखनऊ जनपद निवासी शुभम वर्मा की शादी करीब नौ वर्ष पहले हुई थी। उसके दो बच्चे भी हैं। बताया जा रहा है कि इसके बावजूद उसका निगोहा क्षेत्र की एक युवती से प्रेम संबंध चल रहा था। युवती इन दिनों कोतवाली क्षेत्र के बरी गांव स्थित अपनी बुआ के घर आई हुई थी। सोमवार रात शुभम उससे मिलने बरी गांव पहुंच गया। इसी दौरान किसी माध्यम से इसकी जानकारी उसकी पत्नी को हो गई। पत्नी अपने भाई और अन्य परिजनों के साथ मौके पर पहुंच गई। घर के अंदर युवक और युवती को साथ देखकर विवाद शुरू हो गया। देखते ही देखते कहासुनी मारपीट में बदल गई। युवक और उसके साले के बीच हाथापाई भी हुई। घटना की जानकारी मिलते ही गांव में लोगों की भीड़ जुट गई और देर रात तक अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। युवक की पत्नी ने डायल 112 पर सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थिति को संभाला और युवक को हिरासत में ले लिया। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि युवक को हिरासत में लेकर आवश्यक कार्रवाई करते हुए चालान किया गया है। घटना पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी रही।

### लखनऊ के इरम कॉलेज कार्यालय में लगी भीषण आग, फर्नीचर और दस्तावेज खाक

**लखनऊ।** कैंपवेल रोड पर इरम कालेज में मंगलवार दोपहर आग लग गई। कुछ ही देर में काले धुएं के साथ लपटें उठने लगी। आसपास के लोगों ने सूचना दमकल को दी और आग बुझाने के प्रयास शुरू किए। मौके पर चौक फायर स्टेशन से पहुंची दमकल की दो गाड़ियों ने आग पर काबू पा लिया। जांच में पता चला कि आग कालेज के कार्यालय में लगी थी। चपेट में आने से अंदर रखा फर्नीचर और अन्य दस्तावेज जल गए। गनीमत रही की घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। चौक फायर स्टेशन अफसर (एफएसओ) पुष्पेंद्र कुमार यादव ने बताया कि दोपहर 3:50 बजे कंट्रोल रूम पर आग लगने की सूचना मिली। दो दमकल गाड़ियों को टीम के साथ मौके पर भेजा गया। टीम पहुंची तो पता चला कि आग इरम कालेज के आफिस के अंदर लगी है। चपेट में आने से फर्नीचर और अन्य सामान जल रहा था। हौज पाइप की मदद से टीम ने आग बुझानी शुरू की। एक टीम स्कूल के अंदर दाखिल हुई और हौज पाइप की मदद से पानी का छिड़काव कर आग बुझाई। एफएसओ ने बताया कि आग शार्ट सर्किट से लगी थी। हालांकि, समय रहते काबू पा लिया गया। दमकल टीम ने स्कूल प्रबंधन को अग्नि सुरक्षा और उपकरणों के रखरखाव को लेकर विस्तृत जानकारी दी।कालेज से धुआं उठता देख आसपास के लोग मौके पर एकत्रित हो गए। उन्होंने खुद से पानी डालकर आग बुझाने के प्रयास शुरू किए। इस बीच सड़क पर यातायात बाधित हो गया। पुलिस ने यातायात सुचारू कराया। स्थानीय लोगों की वजह से आग अन्य कमरों तक नहीं पहुंच सकी।

### वाहन चोर गिरोह का भंडाफोड़, चार शातिर गिरफ्तार

**भदोही।** जनपद में बढ़ रही वाहन चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत चौरी थाना पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने चार सदस्यीय वाहन चोर गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए चार शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे एवं निशानदेही पर चोरी की चार मोटरसाइकिलें बरामद की गई हैं। इस उत्कृष्ट कार्रवाई पर पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी ने पुलिस टीम को 10 हजार रुपये के नकद पुरस्कार से सम्मानित करने की घोषणा की है। पुलिस के अनुसार मंगलवार को चौरी थाना पुलिस क्षेत्र में संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की सघन चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि कुछ वाहन चोर चोरी की मोटरसाइकिलों के साथ क्षेत्र से गुजरने वाले हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने ग्राम कंधिया मेन रोड पर कपसेठी-चौरी बॉर्डर पुलिया के पास घेराबंदी कर चार युवकों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपितों में नितेश पटेल उर्फ नन्हकू पटेल (20 वर्ष) पुत्र छोटेलाल पटेल निवासी अमवा कला (भवानीपुर), राज पटेल उर्फ छोटू पटेल (19 वर्ष) पुत्र राजेश पटेल निवासी अमवा कला (भवानीपुर), आर्यन गुप्ता उर्फ विशेष गुप्ता (19 वर्ष) पुत्र सच्चेलाल गुप्ता निवासी बरदहा तथा प्रियांसु सिंह उर्फ मोनू (30 वर्ष) पुत्र शैलेश सिंह निवासी बरदहा थाना चौरी शामिल हैं। पुलिस पूछताछ में आरोपितों ने बताया कि वे सुनसान स्थानों, बाजारों और समारोह स्थलों पर खड़ी मोटरसाइकिलों को मास्टर चाबी की मदद से चोरी करते थे।

## प्रशासनिक उदासीनता का फायदा उठा रहे रेत-मिट्टी के तस्कर, रातों-रात खोखली की जा रही जमीन

**● अधिकारियों की अनदेखी से फल-फूल रहा अवैध उत्खनन का धंधा, सरकारी खजाने को भारी चपत, बेधड़क चल रहा काला कारोबार**

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**तंबौर (सीतापुर)-** क्षेत्र में इन दिनों जमीनों का अवैध सीना चीरने वाले गिरोहों के हौसले बुलंद हैं। कानून व्यवस्था का डर पूरी तरह समाप्त हो जाने के कारण इलाके में गैरकानूनी रूप से मिट्टी और बालू निकालने का काम बिना किसी रोक-टोक के चल रहा है। सरकारी राजस्व को भारी नुकसान पहुँचाकर ये तस्कर मोटी रकम कमा रहे हैं, जबकि संबंधित विभाग इस पूरे खेल से आँखें मूँदे बैठा है।स्थानीय प्रशासन के ठीक सामने हर रात दर्जनों वाहनों के माध्यम से मिट्टी की अवैध खुदाई की जा रही है। इस चोरी की मिट्टी को शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में ऊंचे दामों पर बेचकर अवैध मुनाफा कमाया जा रहा है। कल रात भी ऐसा ही एक वाकया कस्बे के डेवढेडीह रोड पर सामने आया, जहाँ तस्कर कई ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के साथ एक खेत को खोदने में व्यस्त थे। जब एक जागरूक किसान की जानकारी पर कुछ पत्रकार वहाँ कवरेज के लिए पहुँचे, तो तस्करों में खलबली मच गई। पकड़े जाने के डर से वे शिकायत करने वाले से उलझ गए और आनन-फानन में अपनी गाड़ियां लेकर वहाँ से नौ दो ग्यारह हो गए। इस पूरे घटनाक्रम में सबसे बड़ा यक्ष प्रश्न यह है कि इतने बड़े स्तर पर, दर्जनों गाड़ियों के साथ चल रहे इस अवैध काम की जानकारी प्रशासनिक अमले को क्यों नहीं है? क्या जिम्मेदार अधिकारी वाकई इस बात से अनजान हैं या फिर प्रभावशाली लोगों और रात के सन्नाटे में गूंजती ट्रैक्टरों की आवाजें आखिरकार जिम्मेदार अफसरों को क्यों सुनाई नहीं देतीं, यह जांच का विषय है। अब देखना यह होगा कि इस खुलासे के बाद प्रशासनिक अमला कोई सख्त कदम उठाता है या फिर इन भू-माफियाओं को यूँ ही खुली छूट मिलती रहेगी।

## जर्जर बिजली का तार टूट कर गिरा, बाल बाल बचा पशुपालक कूड़े में लगी आग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**लालगंज रायबरेली।** क्षेत्र के कानपुर रोड पर पूरे जबर सिंह का पुरवा मजरे ऊगाभाद गांव में मंगलवार की शाम को जर्जर बिजली का तार टूट कर जमीन पर गिर गया। गनीमत रही कि इस दौरान गांव निवासी पशुपालक तार की चपेट में नहीं आया नहीं कोई बड़ा हादसा हो सकता था। स्पार्किंग के कारण कूड़े में आग लग गई। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर काबू पाया। ग्रामीणों ने बताया कि 2 दिन से बार बार एक ही जगह बिजली लाइन में फाल्ट आ रही थी। मंगलवार को भी सुबह लाइनमैन ने मरम्मत कर लाइन चालू कराई। शाम करीब 6 बजे तेज स्पार्किंग के साथ एलटी लाइन का तार टूट कर नीचे गिर गया। इस दौरान गांव निवासी सुंदर अपनी भैंस बांधने जा रहे थे गनीमत रही की तार उनके ऊपर नहीं गिरा नहीं तो चपेट में आकर नुकसान पहुंच सकता था। इस पार्किंग से निकली चिंगारी के कारण

नीचे कूड़े में आग लग गई इससे आसपास अपराध फिल्म मच गई ग्रामीणों ने घटना की सूचना बिजली विभाग और फायर ब्रिगेड को दी। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर काबू पा लिया है। जानी मासी राधे श्याम अनिल शर्मा विवेक सुंदर राजकुमार यादव आदि ने कहा है कि बिजली के जर्जर दारू को बदलना चाहिए नहीं तो किसी दिन कोई बड़ा हादसा हो सकता है। अवर अभियंता बृजेश कुमार ने बताया कि बिजली की लाइन की मरम्मत का कार्य शुरू कर दिया गया है।

### लखनऊ अग्निकांड से सरकार ने लिया सबक, पूरे यूपी में होगा कोचिंग सेंटरों का सर्वे

**लखनऊ।** राजधानी लखनऊ के एक कोचिंग संस्थान में हुए भीषण अग्निकांड में 15 युवाओं की मौत के बाद प्रदेश सरकार ने कोचिंग संस्थानों की सुरक्षा और वैधता को लेकर सख्ती बढ़ा दी है। पूरे प्रदेश में विशेष अभियान चलाकर बिना पंजीकरण संचालित हो रहे कोचिंग संस्थानों की पहचान की जाएगी और उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। साथ ही पंजीकृत कोचिंग सेंटरों की सुरक्षा व्यवस्था का भी गहन निरीक्षण कराया जाएगा। उच्च शिक्षा विभाग की विशेष सचिव निधि श्रीवास्तव ने सभी जिलाधिकारियों को अपने-अपने जिलों में कोचिंग संस्थानों का व्यापक सर्वे कराने के निर्देश दिए हैं। सर्वे में यह पता लगाया जाएगा कि कौन से संस्थान उत्तर प्रदेश कोचिंग विनियमन अधिनियम, 2002 के तहत पंजीकृत हैं और कौन बिना अनुमति के संचालित हो रहे हैं। अवैध पाए जाने वाले संस्थानों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। विभाग ने स्पष्ट किया है कि केवल पंजीकरण होने भर से कोचिंग संस्थानों को राहत नहीं मिलेगी। पंजीकृत संस्थानों में भवन की मजबूती, अग्निशमन उपकरणों की उपलब्धता, विद्युत सुरक्षा, आपातकालीन निकास, वेंटिलेशन और साफ-सफाई जैसी जरूरी सुविधाओं की भी जांच होगी।

### मोहन यादव के सपोर्ट में दिखे अखिलेश यादव, कहा- 3 CM हटाने की हो रही साजिश

**नई दिल्ली।** जमीन खरीद विवाद को लेकर चर्चा में आए मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव के परिवार को समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव का समर्थन मिला है। इस पूरे विवाद को साजिश बताते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि मोहन यादव को बदनाम करने के लिए भारतीय जनता पार्टी ने साजिश रची है, उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि क्या बीजेपी को पता नहीं था कि मोहन यादव रियल इस्टेट का काम करते थे। बकौल अखिलेश, ये आरोप इसलिए लग रहा है कि भाजपा रास्ता ढूंढ रही है कि 3 मुख्यमंत्री कैसे बदलें। वे मुख्यमंत्री बदलना चाहते हैं इसलिए आरोप लगवा रहे हैं, इन्हें मध्य-प्रदेश, राजस्थान के मुख्यमंत्री को हटाना है। इन दो को इसलिए हटा रहे हैं कि उन्हें उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री को हटाना है। उन्होंने कहा कि ये हटाने की साजिश चल रही है, उत्तर प्रदेश की जनता जानती है कि इस बार साइकिल इतनी तेज चलेगी कि अपने आप मुख्यमंत्री हट जाएंगे। बताते चलें कि अखिलेश यादव ने मंगलवार को लखनऊ में एक कार्यक्रम में ये बाते कही हैं। मध्य प्रदेश की राजनीति में भूमि खरीद को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया है।

## पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन ने पेंशनभोगियों के हितों की रक्षा के लिए संघर्ष को और तेज करने का संकल्प लिया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**लखनऊ।** राजधानी लखनऊ के जवाहर भवन में पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन ने पेंशनभोगियों के हितों की रक्षा के लिए संघर्ष को और तेज करने का संकल्प लिया है। सोमवार को आयोजित बैठक में तय किया गया कि जवाहर भवन आने वाले पेंशनधारकों के कार्यों का समयबद्ध निस्तारण कराया जाएगा और भीषण गर्मी को देखते हुए पेयजल सहित आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए शासन स्तर पर प्रयास किए जाएंगे। महामंत्री दिलीप कुमार सक्सेना ने कहा कि आठवें वेतन आयोग से जुड़े मुद्दों, शासन की गलत नीतियों और विसंगतियों के विरोध में अन्य पेंशनर्स संगठनों के साथ समन्वय स्थापित कर आंदोलन को मजबूत किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट कहा कि पेंशनर्स की लंबित समस्याओं के समाधान के लिए संगठन अपना संघर्ष और तेज करेगा। बैठक में अध्यक्ष बलराज श्रीवास्तव ने सभी पदाधिकारियों और सदस्यों को पेंशनर्स के हितों के लिए समर्पित होकर कार्य करने की शपथ दिलाई। वहीं मुख्य संरक्षक आलोक रंजन, पूर्व मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश, और पूर्व आईपीएस अधिकारी यू.डी. सिंह ने शासन से पेंशनभोगियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की। बैठक में जवाहर भवन इंदिरा भवन कर्मचारी महासंघ के महामंत्री सुशील कुमार बच्चा राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद मंडल के अध्यक्ष एस.पी. तिवारी सहित अनेक पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित रहे।

## तीन माह से वेतन-पेंशन न मिलने पर भड़के जल निगम कर्मी

**● मुख्यालय पर शुरू किया आंदोलन**

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**लखनऊ।** राजधानी लखनऊ में 23 जून उत्तर प्रदेश जल निगम एकीकृत संघर्ष मोर्चा के आह्वान पर लंबित मांगों के समर्थन में सोमवार से आंदोलन शुरू हो गया। आंदोलन के पहले दिन लखनऊ मंडल के कर्मचारियों एवं पेंशनर्स ने जल निगम मुख्यालय पर धरना-प्रदर्शन और प्रभातफेरी निकालकर सरकार से समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की। मोर्चा के महासचिव इं. ए.के. सिंह ने कहा कि वर्ष 2021 में उत्तर प्रदेश जल निगम को नगरीय और ग्रामीण इकाइयों में विभाजित किए जाने के बाद नगरीय इकाई के कर्मचारियों और पेंशनर्स को पिछले तीन माह से वेतन एवं पेंशन का भुगतान नहीं हो पाया है। इससे उनकी आर्थिक स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। उन्होंने वेतन और पेंशन का भुगतान सीधे ट्रेजरी से कराने की मांग उठाई। उपाध्यक्ष राम सनेही यादव ने कहा कि 4141 नियमित कर्मचारियों के सेवानिवृत्त होने के बावजूद उच्च न्यायालय के आदेशों का अनुपालन नहीं किया जा रहा है, जिससे कई कर्मचारी पेंशन लाभ से वंचित हैं। उन्होंने 1007 पदों पर किए गए त्रुटिपूर्ण समायोजन को निरस्त करने की मांग भी की। उपाध्यक्ष गिरीश कुमार यादव ने कहा कि जल निगम (नगरीय) में अनुकंपा नियुक्तियां स्थगित होने से मृतक आश्रित परिवारों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है।

वहीं शिववचन यादव ने महंगाई राहत में विसंगतियों का मुद्दा उठाते हुए कहा कि नगरीय इकाई में 262 प्रतिशत के स्थान पर केवल 212 प्रतिशत महंगाई राहत दी जा रही है। उप महामंत्री गौरी शंकर शुक्ला ने कहा कि जल निगम की नगरीय और ग्रामीण इकाइयों में अब तक सातवां वेतनमान लागू नहीं किया गया है। उन्होंने एक जनवरी 2016 से सातवें वेतनमान का लाभ देने की मांग की। सलाहकार इं. राम सेवक शुक्ला और उप महासचिव राजकुमार कुशवाहा ने सरकारी विभागों की तर्ज पर कैशलेस चिकित्सा सुविधा तत्काल लागू करने की मांग की। धरने में इं. एन.के. सक्सेना, इं. आर.पी. गुप्ता, इं. डी.एन. यादव, इं. एस.एन. शुक्ला, हरिशंकर द्विवेदी, तंग बहादुर यादव, प्रदीप शुक्ला, मनेश्वर यादव, राज महेंद्र सिंह, बृज किशोर सिंह, सुरेश यादव, कैलाश यादव और ओम प्रकाश शुक्ला सहित बड़ी संख्या में कर्मचारी एवं पेंशनर्स मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता इं. एस.के. राय ने तथा संचालन महासचिव इं. ए.के. सिंह एवं उपाध्यक्ष राम सनेही यादव ने किया।

## संदिग्ध परिस्थितियों में महिला का कुएं मे मिला शव

**● ग्रामीण युवक ने जोखिम उठाकर कुएं में उतरकर महिला को निकाला बाहर**

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**लालगंज(रायबरेली)-** सरेनी।थाना क्षेत्र के शिवपुरी गांव में मंगलवार को एक दर्दनाक घटना सामने आई,जहां संदिग्ध परिस्थितियों में एक महिला का कुएं से शव बरामद होने से सनसनी फैल गई।बताया जा रहा है कि महिला सुबह गंगा स्नान करने गई थी।घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीमों की तैयारियों पर भी सवाल खड़े हो गए।जानकारी के अनुसार शिवपुरी गांव निवासी रश्मि तिवारी (50 वर्ष) पत्नी विनय कुमार तिवारी ने संदिग्ध परिस्थितियों में गांव के एक कुएं में छलांग लगा दी।चर्चा है कि पारिवारिक कलह से परेशान होकर महिला ने कुएं में कूदकर आत्महत्या कर ली।हालांकि अभी तक इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची।ग्रामीणों के मुताबिक कुएं में जहरीली गैस होने की आशंका के चलते कोई भी पुलिसकर्मी या फायर कर्मी अंदर उतरने का साहस नहीं जुटा सका।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कई घंटों तक राहत एवं बचाव कार्य प्रभावित रहा।इसी दौरान पास के गांव के एक युवक ने अपनी जान जोखिम में डालते हुए रस्सी के सहारे कुएं में उतरकर महिला तक पहुंचने का प्रयास किया और उसे सहारा दिया।बाद में ग्रामीणों की मदद से महिला को बाहर निकाला गया,लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।घटना के बाद ग्रामीणों में प्रशासन की आपदा प्रबंधन तैयारियों को लेकर नाराजगी देखने को मिली।लोगों का कहना था कि यदि बचाव कार्य के लिए पर्याप्त संसाधन और प्रशिक्षित

कर्मी मौजूद होते तो महिला की जान बचाई जा सकती थी।उधर,पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।फिलहाल पारिवारिक कलह के चलते आत्महत्या की बात सामने आ रही है।अब क्या सच क्या झूंठ यह पुलिस की जांच का विषय है।फिलहाल पुलिस मामले की सभी पहलुओं से जांच कर रही है।

## मुद्रासन का भव्य सेल्फी पॉइंट बना आकर्षण का केंद्र

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**सीतापुर।** विकास खण्ड हरगांव की ग्राम पंचायत मुद्रासन ने विकास और सौंदर्यीकरण की दिशा में एक नई पहचान कायम करते हुए गांव के मुख्य चौराहे पर भव्य एवं आकर्षक सेल्फी पॉइंट का निर्माण कराया है। ग्राम प्रधान जसिमुन, उनके पति अब्बास अली, ग्राम पंचायत सचिव नौशाद अली तथा कंसल्टिंग इंजीनियर शिवम वर्मा के संयुक्त प्रयासों से तैयार यह सेल्फी पॉइंट क्षेत्रवासियों के लिए गर्व का विषय बन गया है। इस सेल्फी पॉइंट में खण्ड विकास अधिकारी विवेकमणि त्रिपाठी, व एडीओ पंचायत जेपी वर्मा ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जिससे सेल्फी पॉइंट का निर्माण भव्य हो सका। सोमवार की देर शाम आयोजित कार्यक्रम में कारागार राज्यमंत्री सुरेश राही ने फीता काटकर इस भव्य सेल्फी पॉइंट का लोकार्पण किया। उद्घाटन के दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीणों एवं जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति रही। जैसे ही सेल्फी पॉइंट का उद्घाटन हुआ, लोगों में उत्साह का माहौल देखने को मिला और बड़ी संख्या में लोगों ने यहां तस्वीरें खिंचवाकर इस पल को यादगार बनाया। हरगांव-लहरपुर मार्ग पर

**विकास और सौंदर्यीकरण का नया प्रतीक बना मुद्रासन**

'आई लव हमारा मुद्रासन' बना आकर्षण का केंद्र, कारागार राज्यमंत्री सुरेश राही ने किया लोकार्पण, आधुनिक लाइटिंग और हरियाली ने बढ़ाई खूबसूरती, ग्रामीणों और युवाओं में सेल्फी पॉइंट को लेकर खासा उत्साह, क्षेत्र की नई पहचान के रूप में उभर रहा मुद्रासन।

स्थित यह सेल्फी पॉइंट अपनी भव्यता, आकर्षक डिजाइन और आधुनिक स्वरूप के कारण दूर से ही लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता बड़े अक्षरों में लिखा गया 'I love Hamara Mudrasan' है, जो ग्रामवासियों के अपने गांव के प्रति प्रेम और जुड़ाव को दर्शाता है। सेल्फी पॉइंट के चारों ओर हरियाली बढ़ाने के उद्देश्य से सजावटी एवं छायादार पौधे लगाए गए हैं। वहीं आकर्षक लाइटिंग, स्टील के गेट, मजबूत ग्रिल और सुव्यवस्थित परिसर इसकी सुंदरता में चार चांद लगा रहे हैं। शाम होते ही रंग-बिरंगी रोशनी में नहाया यह स्थल किसी शहरी पर्यटन स्थल जैसा प्रतीत होता है। ग्रामीणों का कहना है कि यह केवल एक सेल्फी पॉइंट नहीं बल्कि ग्राम पंचायत की नई पहचान बन गया है। उद्घाटन के बाद से ही इसकी चर्चा आसपास के गांवों और क्षेत्र में तेजी से फैल रही है तथा लोग विशेष रूप से यहां पहुंचकर तस्वीरें खिंचवा रहे हैं। सेल्फी पॉइंट की भव्यता को देख कर खण्ड विकास अधिकारी विवेकमणि त्रिपाठी ने प्रशन्नता जाहिर करते हुए ग्राम प्रधान जसिमुन, सचिव नौशाद अली, कंसल्टिंग इंजीनियर शिवम वर्मा की सराहना की। इस अवसर पर खण्ड विकास अधिकारी विवेकमणि त्रिपाठी, एडीओ पंचायत जेपी वर्मा, कंसल्टिंग इंजीनियर शिवम वर्मा, सचिव धीरेंद्र कुमार, सचिव नीतीश कुमार, एवं प्रधानगण, बीडीसी, सदस्य व भारी संख्यां में लोग मौजूद रहे।

## खनन, स्टाम्प, राजस्व संग्रह, खाद्य सुरक्षा एवं गेहूँ खरीद की समीक्षा बैठक सम्पन्न

**● नगरीय निकाय एवं डूडा योजनाओं की समीक्षा कर दिए गए निर्देश**

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**रायबरेली-** जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में खनन, स्टाम्प एवं पंजीयन, राजस्व संग्रह, खाद्य सुरक्षा, पूर्ति विभाग तथा गेहूँ खरीद से संबंधित महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तृत समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारियों द्वारा अपने-अपने विभाग की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने खनन विभाग की समीक्षा करते हुए अवैध खनन एवं परिवहन पर प्रभावी अंकुश लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि टास्क फोर्स द्वारा औचक निरीक्षण कर अवैध खनन एवं ओवरलोडिंग के विरुद्ध प्रभावी प्रवर्तन की कार्यवाही की जाए। सभी तहसीलों में यह सुनिश्चित कराया जाए कि नदी के किनारे कही पर भी बालू का अवैध खनन न हो तथा प्रवर्तन की कार्यवाही को और अधिक सख्ती से लागू किया जाए। स्टाम्प एवं पंजीयन विभाग की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने राजस्व वसूली में तेजी लाने एवं निर्धारित लक्ष्यों को समय से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि लंबित प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित किया जाए तथा आय बढ़ाने के लिए प्रभावी रणनीति अपनाई जाए। राजस्व संग्रह की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे बकाया वसूली में तेजी लाएं और लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति सुनिश्चित करें। खाद्य सुरक्षा एवं पूर्ति विभाग की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) को पारदर्शी एवं सुचारु रूप से संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने राशन वितरण में किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए, इसके साथ ही रिक्त राशन की दुकानों का शीघ्र आवंटन कराया जाए। पेट्रोलियम पदार्थों (डीजल, पेट्रोल एवं घरेलू गैस) की समीक्षा करते हुवे निर्देश दिए कि खुदरा बिक्री केंद्र डीजल केवल वाहनों के टैंक अथवा क्क्षस्ह से अनुमोदित कंटेनर में ही बिक्री करेंगे और एक दिन में एक ग्राहक/वाहन को 200 ली0 से ज्यादा डीजल बिक्री नहीं करेंगे, यदि 200 ली0 से अधिक डीजल लेना है तो कारण/ किस प्रयोजन में प्रयुक्त किया जाना है का उल्लेख करते हुवे जिला पूर्ति अधिकारी के पास प्रत्यावेदन देना होगा। खाद्य सुरक्षा विभाग की समीक्षा में निर्देश दिए गए कि सावन माह के दृष्टिगत खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित कराने हेतु सड़क के किनारे की समस्त दुकानों की जांच करा ली जाए इसके साथ ही यह भी सुनिश्चित करा लिया जाए कि सभी दुकानों पर रेट लिस्ट डिस्प्ले की गई है। गेहूँ खरीद की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने क्रय केंद्रों की कार्यप्रणाली पर विशेष ध्यान देते हुए किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न होने देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी क्रय केंद्रों पर पर्याप्त व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं तथा भुगतान समयबद्ध तरीके से किसानों के खातों में किया जाए। नगरीय निकाय एवं डूडा योजनाओं की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने शहरी क्षेत्र में संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी), पीएम स्वानिधि तथा अन्य डूडा योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर बल देते हुए निर्देशित किया कि पात्र लाभार्थियों को समयबद्ध ढंग से

योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया जाए। बैठक में अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) सहदेव मिश्र,अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ, उप जिलाधिकारी सदर गौतम सिंह, उप जिलाधिकारी डलमऊ सत्येन्द्र सिंह, उप जिलाधिकारी लालगंज राजेश श्रीवास्तव, उप जिलाधिकारी सलोन मिथिलेश कुमार त्रिपाठी, उप जिलाधिकारी महराजगंज चन्द्र प्रकाश गौतम, जिला पूर्ति अधिकारी उबैदुर्ररहमान, जिला खाद्य विपणन अधिकारी सोनी गुप्ता, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका स्वर्ण सिंह, परियोजना निदेशक (डूडा) शशि कुमार मेहरोत्रा, खाद्य सुरक्षा अधिकारी, खनन अधिकारी सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

## झोलाछाप की लापरवाही से मौत सीएचसी में छोड़कर भागे आरोपी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**तालगांव सीतापुर-** तालगांव कोतवाली क्षेत्र से एक बेहद झकझोर देने वाला मामला सामने आया है, जहां एक कथित झोलाछाप डॉक्टर की घोर लापरवाही और गलत इलाज से एक परिवार की खुशियां उजड़ गई। आरोप है कि जब मरीज की हालत बिगड़ने लगी तो आरोपी उसे मरणासन्न अवस्था में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परसेंडी (सीएचसी) में छोड़कर फरार हो गया। अस्पताल के चिकित्सकों ने जांच के बाद मरीज को मृत घोषित कर दिया, जिसके बाद मृतक के घर में कोहराम मच गया और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। यह घटना तालगांव कोतवाली क्षेत्र के ग्राम चांदपुर की है। सचिन कुमार ने पुलिस को दी गई लिखित तहरीर में बताया कि मंगलवार सुबह करीब 8 बजे उनके 43 वर्षीय पिता अरुण कुमार को अचानक तेज बुखार आ गया था। घबराए परिजन उन्हें तत्काल इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परसेंडी के पास स्थित एक निजी क्लीनिक पर ले गए। इस क्लीनिक का संचालन मुलाहिमपुर निवासी रामनाथ यादव नामक व्यक्ति द्वारा किया जा रहा था। आरोप है कि उसने बिना उचित चिकित्सकीय परीक्षण के मरीज को

दवाएं और इंजेक्शन दे दिए, जिससे अरुण कुमार की तबीयत और अधिक बिगड़ गई। जब मरीज की हालत गंभीर हो गई और उसकी सांसें उखड़ने लगीं, तो आरोपी रामनाथ यादव घबरा गया। आरोप है कि उसने अपने कुछ परिचितों को बुलाया और अरुण कुमार को मोटरसाइकिल पर बैठाकर पास के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। वहां मरीज को छोड़कर आरोपी मौके से फरार हो गए। सीएचसी में तैनात चिकित्सकों ने जब अरुण कुमार का परीक्षण किया, तो उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस मामले पर सीएचसी अधीक्षक डॉ. दीपक यादव ने बताया कि मामला उनके संज्ञान में आ चुका है और मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) के निर्देशों के तहत आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराकर वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। वहीं, पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

# संक्षिप्त खबरें

## चंडीगढ़ के विकास कार्यों को लेकर नगर निगम कमिश्नर से महत्वपूर्ण बैठक

**चंडीगढ़-** आज आम आदमी पार्टी चंडीगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष विजय पाल सिंह जी एवं नेता प्रतिपक्ष हरदीप बुतरेला जी के नेतृत्व में पार्टी के पार्षदों के प्रतिनिधिमंडल ने नगर निगम कमिश्नर से मुलाकात कर शहर के विभिन्न वार्डों में लंबित विकास कार्यों को जल्द पूरा करने की मांग उठाई। बैठक के दौरान सड़कों की मरम्मत, सीवरेज, सफाई व्यवस्था, स्ट्रीट लाइट्स, पार्कों के रखरखाव तथा अन्य जनहित से जुड़े मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई। प्रतिनिधिमंडल ने वार्डों से संबंधित लंबित विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध तरीके से पूरा करने का आग्रह किया। इस अवसर पर काउंसलर योगेश ढींगरा जी, काउंसलर मुनव्वर जी, काउंसलर जसविंदर कौर जी, पूर्व मेयर कुलदीप कुमार जी सहित आम आदमी पार्टी के कई पार्षद एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे। अध्यक्ष विजय पाल सिंह ने कहाआम आदमी पार्टी जनता की समस्याओं के समाधान और चंडीगढ़ के विकास के लिए निरंतर संघर्षरत है तथा जनहित के मुद्दों को मजबूती से उठाती रहेगी।

## दिल्ली में ट्रैफिक पुलिस का महा-अभियान,12 हजार से गाड़ियों ज्यादा का चालान; 110 पर की एफआईआर

**दिल्ली।** दिल्ली में ट्रैफिक जाम की समस्या से निपटने, सड़क सुरक्षा को बेहतर बनाने और आम जनता से जुड़ाव बढ़ाने के लिए ट्रैफिक पुलिस ने राजधानी में एक हफ्ते के लिए विशेष अभियान चलाया। इस अभियान के तहत जिला पुलिस और ट्रैफिक पुलिस की टीमों ने संयुक्त रूप से सड़कों पर उतरकर सघन गश्त की। अधिकारियों ने खुद मौके पर मौजूद रहकर यातायात व्यवस्था की निगरानी की। नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई की और स्थानीय समस्याओं को समझने के लिए जनता से संवाद किया। अभियान के दौरान विभिन्न यातायात नियमों के उल्लंघन के लिए 12,617 वाहनों के चालान काटे गए, सड़कों को ब्लॉक करने वाले और जाम का कारण बनने वाले 1,596 अवैध रेहड़ी-पटरी व अतिक्रमण को हटाया गया। एडिशनल पुलिस कमिश्नर ट्रैफिक विजयंता गोयल आर्या का कहना है कि इस दौरान कानूनी प्रावधानों का पालन न करने पर 81 वाहनों को जब्त भी किया गया। उल्टी दिशा में गाड़ी चलाने वालों के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए 110 एफआईआर दर्ज की गई और 15,000 वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की गई। गाड़ियों पर अनधिकृत रूप से टिंटेड ग्लास (काले शीशे) लगाने के लिए 955 वाहन मालिकों को चालान जारी किए गए, जबकि शराब पीकर गाड़ी चलाने वाले 567 चालकों पर कार्रवाई की गई। गलत पार्किंग को लेकर सबसे बड़ी कार्रवाई की गई, जिसके तहत 48,472 चालान काटे गए और 3,922 वाहनों को क्रेन से टो किया गया।

## अरविंद केजरीवाल अयोध्या राम मंदिर में चंदा चोरी को लेकर चंपत राय पर बरसे

**नई दिल्ली।** आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अयोध्या राम मंदिर में चंदा चोरी मामले में एक बड़ा सवाल उठाया है। केजरीवाल ने राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय पर को लेकर पूछा है कि मंदिर का पूरा प्रबंधन और अधिकार उनके पास है, फिर भी इतनी बड़ी चोरी होने के बावजूद उन्हें पद से हटाया क्यों नहीं गया। एक्स पर वीडियो जारी कर आरोप लगाते हुए केजरीवाल ने कहा है कि मंदिर से करोड़ों रुपये के चढ़ावे चोरी हो गए हैं। केजरीवाल ने दावा किया कि सिर्फ नकदी ही करीब 200 करोड़ रुपये चोरी हुई है और इसके अलावा आभूषणों से भरे कई बॉक्स भी गायब हैं। उन्होंने कहा कि हर राम भक्त इस घटना से बेहद दुखी और आहत है। केजरीवाल ने राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि मंदिर का पूरा प्रबंधन और अधिकार उनके पास है, फिर भी इतनी बड़ी चोरी होने के बावजूद उन्हें हटाया नहीं गया है। केजरीवाल ने पूछा कि क्या उन्हें सबूत मिटाने और गवाहों को प्रभावित करने का समय दिया जा रहा है और उन्हें कौन बचा रहा है। केजरीवाल ने कहा कि उन्होंने कई लोगों से बात की है और सभी इस मामले में जवाब मांग रहे हैं। यह बयान सोशल मीडिया पर तेजी से चर्चा में है। राम मंदिर ट्रस्ट की ओर से अभी तक केजरीवाल के इन आरोपों पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। बता दें कि अयोध्या के श्रीरामलला मंदिर में चढ़ावा चोरी विवाद के बीच केजरीवाल शुक्रवार को श्री राम जन्मभूमि मंदिर में दर्शन करने जाएंगे। केजरीवाल ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए लिखा था, 'अयोध्या श्रीराम मंदिर में चढ़ावा चोरी से हर सनातनी बेहद दुखी है।

# बहुत प्यार करती हूं, वापस आ जा..मंगेतर की हत्या के बाद सिया का ढोंग

● **मंगेतर की हत्या करने के बाद सिया ने सोशल मीडिया पर इमोशनल पोस्ट किया. सिया ने लिखा कि वो केतन से बहुत प्यार करती है।**

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पुणे के केतन अग्रवाल मर्डर केस ने सबको हैरान कर दिया है. केतन की मंगेतर सिया गोयल ने पहले उसे बर्थडे सरप्राइज के बहाने से लोहगढ़ किले पर बुलाया और फिर 400 फीट गहरी खाई में धक्का दे दिया. इस वारदात में सिया का प्रेमी चेतन चौधरी भी साथ था। सिया और केतन की फरवरी में सगाई हुई थी और दोनों नवंबर में शादी करने वाले थे. शादी के लिए उदयपुर में महल और प्राइवेट जेट बुक किया था. अपने मंगेतर की हत्या करने के बाद सिया ने पुलिस और परिवार को गुमराह किया. उसने सबसे झूठ बोला. इतना ही नहीं सिया ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर केतन के लिए पोस्ट भी किया. इस पोस्ट में उसने लिखा कि जब मैं तुमसे इतना प्यार करती थी तो तुमने मुझे क्यों छोड़ दिया. वापस लौट आओ।

**सिया ने इंस्टाग्राम पर किया इमोशनल पोस्ट**

केतन के पिता ने बताया कि सिया ने प्री-बर्थडे सरप्राइज का बहाना देकर उसे किले पर बुलाया था. 19 जून को सिया का जन्मदिन था. इससे एक दिन पहले यानी 18 जून को सिया ने केतन को खाई में धक्का दे दिया. केतन की मौत के बाद सिया ने शोक जताने के लिए इंस्टाग्राम पर इमोशनल स्टोरी शेयर की. इस पोस्ट में सिया ने लिखा कि अचानक कैसे चले गए. अब इस इंस्टाग्राम स्टोरी का स्क्रीनशॉट जांच का हिस्सा बन गया है। इस पोस्ट में एक वीडियो क्लिप भी शामिल थी जिसमें केतन कार की अगली सीट पर पीछे मुड़कर किसी से बात करते हुए दिखाई दे रहे थे और उसके बाद एक रोमांटिक गाने पर दोनों को डांस करते हुए दिखाया गया था। **'इस स्टोरी में सिया ने लिखा, 'मेरे दिल को पता है कि तू यहीं है. वापस आ जा'**

**सिया ने पुलिस को फोन करते दी थी घटना की जानकारी**

न्यूज एंजेसी IANS के अनुसार, एसपी पुणे ग्रामीण संदीप सिंह गिल ने कहा कि 18 जून को सिया गोयल और केतन अग्रवाल, लोहागढ़ किले में घूमने के लिए गए थे. वहां से तकरीबन 10:30 या 10:45 बजे के आसपास सिया गोयल ने फोन करके बताया कि केतन अग्रवाल फिसल के गिर गया और उसकी लोहगढ़ किले से नीचे गिरने से मृत्यु हो गई है। उन्होंने बताया कि सूचना प्राप्त होते ही वहां के सिक्योरिटी गार्ड, पुलिस, लड़की और मृतक के घर वाले घटनास्थल पर पहुंचे और पुलिस स्टेशन में उसी दिन केस दर्ज किया गया. मामला दाखिल करने के बाद आगे जो जांच की गई, उसमें कुछ ऐसी बातें हमारे सामने आई, जिससे घटना को लेकर संशय पैदा हो गया. मृतक के रिश्तेदारों और दोस्तों से हुई बातें एवं पुलिस जांच में समझ आया कि इस तरह की घटना अचानक से होना बहुत ज्यादा संभावित नहीं है, खासकर उस लड़के के साथ जो अक्सर ट्रेकिंग करता था. पुलिस ने बताया कि लड़के ने काफी ट्रेकिंग की थी. जांच के इन सभी पहलुओं के आधार पर मामले की संदिग्धता और बढ़ गई।

**तन के साथ मिलकर दिया केतन को धक्का**

उन्होंने बताया कि इसके बाद हमें अपने कुछ गोपनीय सूत्र और मामले को लेकर की गई आगे की जांच में पता चला कि सिया गोयल का चेतन चौधरी नाम का एक दोस्त है. पुलिस ने बताया कि सिया के परिवार का काम मार्केट यार्ड में है, उधर ही चेतन की भी दुकान है। उन्होंने आगे बताया कि इन दोनों के बीच आपस में कुछ एक साल के आसपास से पहचान थी. इन दोनों ने ही केतन अग्रवाल की हत्या को लेकर योजना बनाई थी और उसी के तहत इस घटना को अंजाम दिया. पुलिस ने बताया कि लोहागढ़ किले पर इन्होंने केतन अग्रवाल को धक्का दिया, जिससे वह नीचे गिरा और उसकी मौत हो गई. उन्होंने बताया कि इस केस हत्या का मुकदमा दर्ज कर सिया और चेतन को हिरासत में लिया गया. दोनों ने पूछताछ के दौरान अपना गुनाह कबूल कर लिया है। पुलिस आगे की जांच कर रही है।

# बिंद्रा कॉलोनी में अवैध बिल्डिंग निर्माण को लेकर नगर निगम की कार्यवाही एक बार फिर से सवालों के घेरे में

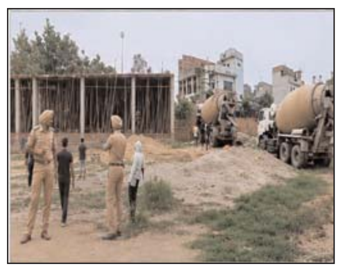

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**लुधियाना-** बिंद्रा कॉलोनी में बनी इल्लीगल बिल्डिंग जिसका न तो निगम से नक्शा पास है और इतना ही नहीं इस बिल्डिंग की मालिकी भी सवालों के घेरे में है, इसके बावजूद इस बिल्डिंग पर जहां निगम का सीधे डिमोलिशन का एक्शन लेना बनता था, वहीं दूसरी ओर नगर निगम की ओर से उक्त बिल्डिंग मालिक को डिमोलिशन का नोटिस जारी कर दिया है। लेकिन निगम की ओर से नोटिस जारी होने के बाद ये चर्चा छिड़ गई है कि नगर निगम अब इस नोटिस के तहत अपना एक्शन पहले लगा था या अवैध बिल्डिंग मालिक इस डिमोलिशन के खिलाफ हाई कोर्ट से स्टे लेकर आता है। अक्सर ऐसे मामलों में ये सामने आया है कि जब भी किसी इल्लीगल बिल्डिंग पर कार्यवाही के तौर पर निगम की ओर से डिमोलिशन नोटिस जारी किया गया है तो वह बिल्डिंग मालिक इस नोटिस के एवज में हाई कोर्ट से स्टे लेकर मामले को कानूनी पचड़े में डाल देता है। इस बार भी नगर निगम के अधिकारियों की भी जानकारी रही है लेकिन ये निर्माण राजनीतिक संरक्षण प्राप्त है, इसलिए ऐसा यह कदम गलत नहीं होगा कि नगर निगम ही उक्त बिल्डिंग मालिक को हाई कोर्ट जाने का मौका दे रही है, ताकि वह स्टे ले सके। नगर निगम ज़ोन बी बिल्डिंग ब्रांच के एटीपी, इंस्पेक्टर और अब पूरी बिल्डिंग जांच पहले से इस बिल्डिंग को लेकर सवालों के घेरे में आ चुकी है। बिंद्रा कॉलोनी के निवासियों ने रविवार पिछले 40 दिनों से रोज़ाना रात को लेकिन इसी बीच यहां पर शटरिंग हुई, लैंटर डालने की सूचना दी और अब बीती रविवार देर रात लैंटर भी डाल दिया गया।

## वरिष्ठ पत्रकार मुकेश गोयल राष्ट्रीय गौरव सम्मान से सम्मानित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**नई दिल्ली: देहरादून।** नेशनल वीआईपी प्रेस क्लब द्वारा नगर निगम,टाउन हाल, देहरादून, उत्तराखंड में आयोजित राष्ट्रीय गौरव सम्मान समारोह एवं स्थापना दिवस समारोह में उत्तराखंड सहित विभिन्न राज्यों से आए लगभग 300 पत्रकारों, साहित्यकारों,समाजसेवियों, चिकित्सकों एवं गणमान्य नागरिकों ने शिरकत की।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री डा.रमेश पोखरियाल 'निशंक' रहे। अति विशिष्ट अतिथि के रूप में बंशीधर तिवारी (महानिदेशक सूचना लोक जनसंपर्क विभाग उत्तराखंड सरकार),संरक्षक मोहतरम राव, कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथियों में जन अधिकार पार्टी (जनशक्ति) के राष्ट्रीय अध्यक्ष आजाद अली,मेरठ से दैनिक हिंदू के संपादक मुकेश गोयल तथा एवं वरिष्ठ पत्रकार अरशद राणा मंचासीन रहे। मेरठ से आये वरिष्ठ पत्रकार एवं दैनिक हिन्दू के सम्पादक मुकेश गोयल ने 'राष्ट्रीय गौरव सम्मान' से सम्मानित किये जाने के बाद अपने उद्बोधन में पत्रकारों को अपनी लेखनी पर संयम बरतने का अनुरोध किया।उन्होंने कहा कि हमारा समाचार चाहें कितना भी प्रमाणिक हो लेकिन भाषा शैली में संयम का परिचय दिया जाना चाहिए।मुकेश गोयल एक लंबे समय से पत्रकारिता के माध्यम से समाज की कुरीतियों, समस्याओं उत्पीड़न, अत्याचार आदि मुद्दे को गंभीरता से उठते रहे है। यही कारण है कि पत्रकारिता क्षेत्र में उनकी एक खास पहचान है तथा इसके पहले भी पत्रकारिता क्षेत्र में उनकी निष्ठा एवं कर्तव्य परायणता के कारण उन्हें कई बार सम्मानित होने का गौरव प्राप्त हुआ हैं।

## दिल्ली में बस एक कॉल पर होगी नालों की सफाई, CM रेखा गुप्ता का सख्त निर्देश

**नई दिल्ली।** मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार राजधानी को जलभराव मुक्त बनाने के लिए युद्धस्तर पर नालों की डी-सिल्टिंग का कार्य कर रही है। अब तक 3.4 मिलियन टन से अधिक गाद निकाली जा चुकी है। साथ ही 311 एप के माध्यम से नागरिकों को भी इस अभियान का भागीदार बनाया गया है, ताकि किसी भी नाले की सफाई से जुड़ी शिकायत पर तुरंत कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने कहा कि किसी भी नागरिक को अपने आसपास नालों की सफाई को लेकर कोई शिकायत हो तो इस एप पर शिकायत कर सकते हैं। पिछले वर्ष नालों की सही तरह से सफाई होने के कारण मिंटो ब्रिज नहीं डूबा था। इस वर्ष भी मिंटो ब्रिज में जल भराव नहीं होगा अन्य स्थानों का भी ध्यान रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि यह पहल स्वच्छ, सुरक्षित और बेहतर मानसून प्रबंधन वाली दिल्ली के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

## जिले में पीएसपीसीएल द्वारा बिजली बुनियादी ढांचे के अपग्रेडेशन और सौंदर्यीकरण का कार्य शुरू

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**कपूरथला-** नीचे लटकती बिजली की तारों को ऊंचा करना, खराब खंभों और मीटरों को बदलना, नए ट्रांसफार्मर लगाना तथा शहरी क्षेत्रों में वितरण प्रणाली को मजबूत करना शाम बिजली नेटवर्क को मजबूत करने, जन सुरक्षा में सुधार लाने और शहरी सौंदर्य को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पंजाब स्टेट पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (पीएसपीसीएल) द्वारा जिले भर में बिजली बुनियादी ढांचे के अपग्रेडेशन और सौंदर्यीकरण के विभिन्न प्रोजेक्ट शुरू किए गए हैं। इस संबंध में जानकारी देते हुए डिप्टी कमिश्नर आकाश बंसल ने बताया कि सौंदर्यीकरण योजना और अर्बन लोकल बॉडीज (यूएलबी) प्रोग्राम के तहत किए जा रहे इन कार्यों में नीचे लटकती बिजली की तारों की ऊंचाई बढ़ाना, क्षतिग्रस्त खंभों और मीटरों को बदलना, नए ट्रांसफार्मर लगाना तथा बिजली वितरण प्रणाली को अपग्रेड करना शामिल है। डिप्टी कमिश्नर ने बताया कि जिले भर में सौंदर्यीकरण योजना के अंतर्गत पुराने और असुरक्षित खंभों को बदलने, नए खंभे लगाने, पुराने मीटर बॉक्स बदलने, नई बिजली केबल बिछाने तथा यातायात में बाधा बनने वाले खंभों को अन्य स्थानों पर स्थानांतरित करने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इन कदमों से न केवल बिजली स्पलाई की विश्वसनीयता में सुधार होगा, बल्कि लटकती तारों और खराब खंभों को हटाकर शहर के सौंदर्यीकरण में भी महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा। उन्होंने बताया कि इसी प्रकार यूएलबी योजना के तहत बेगोवाल, भुलत्थ, नडाला, सुल्तानपुर लोधी और ढिलवां में भी बुनियादी ढांचे के विकास कार्य शुरू हो चुके हैं। कपूरथला जिले में कुल 52 नए वितरण ट्रांसफार्मर लगाए जा रहे हैं, जिनमें से 47 ट्रांसफार्मर पहले ही स्थापित किए जा चुके हैं। इनमें भुलत्थ और बेगोवाल में 7, नडाला में 4, सुल्तानपुर लोधी में 5 तथा ढिलवां कस्बे में 4 ट्रांसफार्मर शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, 41

मौजूदा ट्रांसफार्मरों की क्षमता बढ़ाई जा चुकी है तथा कंडक्टरों सहित अन्य वितरण उपकरणों को भी उन्नत किया जा रहा है। डिप्टी कमिश्नर ने आगे बताया कि नगर निगम ने कपूरथला शहर में रिहायशी मकानों के ऊपर से गुजर रही बिजली लाइनों को बदलने के लिए पीएसपीसीएल के पास आवश्यक धनराशि जमा करवा दी है और यह कार्य युद्धस्तर पर जारी है। डिप्टी कमिश्नर ने लोगों से अपील की कि किसी भी प्रकार की सहायता के लिए वे प्रशासन के हेल्पलाइन नंबर 01822-233777 पर संपर्क कर सकते हैं।

## S.S.P. डॉ. दर्पण अहलूवालिया की कड़ी कार्रवाई को लोगों का समर्थन

● **खन्ना, लुधियाना- रेलवे स्टेशन के पास टूटे क्वार्टर, युद्ध नशे के खिलाफ अभियान के तहत की गई कार्यवाही**

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पंजाब सरकार के 'ड्रग्स पर जंग' अभियान को जमीनी स्तर पर सफल बनाने के लिए खन्ना पुलिस की लगातार कार्यवाही का लोगों द्वारा जोरदार स्वागत किया जा रहा है। जिला पुलिस प्रमुख डॉ. दर्पण अहलूवालिया के नेतृत्व में रेलवे स्टेशन के निकट निर्जन खंडहर व खाली इमारतों पर पीला पंजा कराया गया। ये वे स्थान थे जिसमें लगातार शिकायत थी कि ड्रग्स और असामाजिक गानों का यातायात था। पुलिस और सिविल प्रशासन के बीच संयुक्त कार्रवाई के दौरान, इन खंडहरों को साफ किया गया और कई क्षेत्रों को निशाना बनाया गया जो जनता के लिए चिंता का विषय थे। अधिकारियों का मानना है कि तस्करों के खिलाफ कार्रवाई न केवल दवाओं को समाप्त करने के लिए पर्याप्त है, बल्कि उन जगहों को खत्म करना भी आवश्यक है जहां नशीली दवाओं के आदी इकट्ठा होते हैं और अवैध गतिविधियों में संलग्न होते हैं डीएसपी विनोद कुमार के नेतृत्व में इस कार्रवाई के बाद शहर के लोगों में खुशी का माहौल देखा गया। कई लोगों का कहना है कि काफी समय से ये निर्जन इमारतें और खंडहर नशे की लत बन चुकी थीं। पुलिस की इस कड़ी कार्रवाई से अब लोग सुरक्षित महसूस कर रहे हैं। लोगों का यह भी कहना है कि डॉ. दर्पण अहलूवालिया द्वारा जिले में धनुष उठाने के बाद नशे के खिलाफ अभियान को नई गति मिली है। लगातार न केवल ड्रग तस्करों पर केस दर्ज हो रहे हैं, बल्कि ड्रग सेंटरों को भी खत्म किया जा रहा है। यह कारण ड्रग ट्रैप को तोड़ने में मदद कर रहा है। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि 'वॉर ऑन ड्रग्स' अभियान सिर्फ एक अभियान नहीं है, बल्कि समाज को नशा मुक्त बनाने के लिए एक बड़ा जन आंदोलन है।

इसके तहत शहरों और गांवों के अन्य स्थानों की भी पहचान की गई है जहां नशेड़ियों के जमा होने की संभावना है। खन्ना वासियों ने पुलिस और प्रशासन की इस पहल की प्रशंसा की है और उम्मीद जतायी है कि आगे भी ऐसी कार्यवाही जारी रहेगी। लोगों का मानना है कि अगर ड्रग स्टेशनों को जड़ से खत्म किया जाए तो पंजाब की युवा पीढ़ी इस बुराई से बच सकती है। खन्ना पुलिस की इस कार्रवाई से न केवल कानून-व्यवस्था मजबूत होगी, बल्कि नशा मुक्त समाज के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

# शकील अहमद बने दक्षिणी दिल्ली जिला सहकार भारती के वरिष्ठ उपाध्यक्ष

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**नई दिल्ली।** दक्षिणी दिल्ली जिला सहकार भारती( RSS) के संगठन विस्तार का कार्य तेजी से चल रहा है। इसी क्रम में जिला अध्यक्ष यादवेंद्र सिंह ने शकील अहमद को जिले की टीम में वरिष्ठ उपाध्यक्ष बनाया है।जिला अध्यक्ष श्री सिंह ने कहा कि शकील अहमद एक ऊर्जावान सामाजिक कार्यकर्ता है, जो सहकार भारती की नीतियों, कार्यों एवं उद्देश्यों को जन जन तक पहुंचाने का काम करेंगे। जिले की टीम में वरिष्ठ उपाध्यक्ष बनाए जाने पर शकील अहमद ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वह अपनी जिम्मेवारियों का हर संभव निर्वाह करेंगे।श्री अहमद ने सहकार भारती दिल्ली प्रदेश के अध्यक्ष धर्मवीर सिंह को एक समर्पित समाजसेवी बताते हुए कहा कि सहकारिता के मूल्यों,संस्कारों एवं उद्देश्यों को वह जन-जन तक पहुंचने की योजना पर काम कर रहे हैं।सहकार भारती एक बहु आयामी संगठन है इसके बारे में आम लोगों को अवगत कराना बेहद जरूरी है।उन्होंने दक्षिण दिल्ली जिला अध्यक्ष यादवेंद्र सिंह द्वारा अपनी टीम में वरिष्ठ उपाध्यक्ष बनाए जाने पर उनका आभार व्यक्त किया तथा कहा कि वह हमेशा संगठन के साथ कम से कदम मिलाकर चलेंगे और संगठन के प्रचार प्रसार एवं विस्तार के लिए दिन-रात काम करेंगे। उन्होंने कहा कि यादवेंद्र सिंह एक समर्पित ऊर्जावान सामाजिक कार्यकर्ता है उनमें जिला का नेतृत्व करने की भरपूर क्षमता है और उनके नेतृत्व में जिले में यह संगठन तेजी से अपना जनाधार विस्तार करेंगा।

## दिल्ली में मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज के पास झुग्गियों में लगी भीषण आग

**नई दिल्ली।** सोमवार रात करीब 11:32 बजे तकिया काले खां गद्दा इलाके में पुरानी फर्नीचर, लकड़ी और अन्य ज्वलनशील सामग्री में अचानक भीषण आग लग गई। आग की सूचना मिलते ही पुलिस की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों को सुरक्षित निकालने में जुट गई। पीसीआर कॉल मिलने के तुरंत बाद थाना प्रभारी इंस्पेक्टर नरेश कुमार, इंस्पेक्टर ईश्वर सिंह, एसीपी जता शंकर और अन्य पुलिसकर्मियों की टीम मौके पर पहुंची। आग फैलने की आशंका को देखते हुए पुलिस ने पूरे इलाके को खाली कराने का अभियान शुरू किया। कुछ स्थानीय लोगों के विरोध के बावजूद पुलिस टीम ने निरंतर प्रयासों से परिवार समेत 12 व्यक्तियों को सुरक्षित बाहर निकाला। पुलिस ने तुरंत फायर विभाग, बीएसईएस और डीडीएमए को सूचित किया। मौके पर 20 फायर टेंडर और 9 कैट्स एंबुलेंस पहुंचीं। तीन घंटे की लगातार मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया। पुलिस और अन्य एजेंसियों की समन्वित और त्वरित कार्रवाई के कारण इस घटना में कोई जानमाल का नुकसान नहीं हुआ।

# इमरान हाशमी की 5 साल बाद हॉरर फिल्म में वापसी

● **इमरान हाशमी अपनी आने वाली फिल्म रूह को लेकर खासे एक्साइटेड हैं क्योंकि इस जॉनर में वो पूरे पांच साल बाद वापसी कर रहे हैं. पढ़ें इस फिल्म में क्या है खास.**

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**नई दिल्ली:** इमरान हाशमी अपने पसंदीदा और हिट जॉनर यानी कि हॉरर में वापसी कर रहे हैं. रूह नाम से इस फिल्म की एक झलक शेयर कर दी है और इमरान हाशमी एक जबरदस्त हॉरर फिल्म का वादा करते नजर आ रहे हैं. भारतीय सिनेमा में हॉरर जॉनर को एक नई पहचान देने और इस जॉनर के सबसे जाने-माने चेहरों में से एक बनने के बाद इमरान हाशमी की 'रूह' में वापसी एक दर्शकों के लिए किसी विजुअल ट्रीट से कम नहीं है. यह एक हाई-कॉन्सेप्ट म्यूजिकल-हॉरर फिल्म है जिसे खास तौर पर थिएटर एक्सपीरियंस के लिए बनाया गया है। यह फिल्म 2027 में हिंदी, तमिल और तेलुगु भाषाओं में सिनेमाघरों में रिलीज होगी. प्राइम वीडियो की मशहूर 'ब्रीद' फ्रैंचाइजी के क्रिएटर-डायरेक्टर मयंक शर्मा के डायरेक्शन में बनी 'रूह' नए जमाने के हॉरर, म्यूजिक और फीलिंग्स का एक अनोखा मिक्स है, जिसे एक रोंगटे खड़े कर देने वाले सिनेमाई एक्सपीरियंस के तौर पर तैयार किया गया है. साइकोलॉजिकल गहराई, माहौल बनाने और किरदारों पर आधारित कहानी कहने में माहिर मयंक, बड़े पर्दे के लिए बनी इस फिल्म में अपनी खास सोच और विजन लेकर आ रहे हैं। 'रूह' इमरान हाशमी को एक ऐसी दुनिया में ले जाती है जो उनके दिल के करीब है और उस तरह के सिनेमा से गहराई से जुड़ी है जिसके लिए दर्शक हमेशा उन्हें पसंद करते रहे हैं. फिल्म को मयंक शर्मा और विशाल कपूर (जो 'लपाछपी' और 'छोरी' के लिए जाने जाते हैं) ने लिखा है और इसे विक्रम खाखर और सनी खन्ना (विक्ड फिल्म्स प्रोडक्शंस) ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म के बारे में बात करते हुए इमरान हाशमी कहते हैं, ''रूह' एक ऐसी फिल्म है जिसने मुझे तुरंत अपनी ओर खींचा क्योंकि इसमें नए जमाने का हॉरर, फीलिंग्स और संगीत बहुत ही दमदार तरीके से एक साथ आते हैं. यह एक ऐसा जॉनर है जिससे दर्शक हमेशा मुझे

जोड़कर देखते रहे हैं, और मयंक जिस दुनिया को बना रहे हैं, वह बहुत गहरी, भावनात्मक और सिनेमाई लगती है. 'रूह' के बारे में इसी बात ने मुझे सबसे ज्यादा एक्साइट किया और मैं सच में चाहता हूं कि दर्शक बड़े पर्दे पर इसको एक्सपीरियंस करें। ' फिल्म के बारे में बात करते हुए डायरेक्टर मयंक शर्मा कहते हैं, 'एक ऐसे व्यक्ति के तौर पर जिसे हमेशा से हॉरर जॉनर पसंद रहा है 'रूह' एक ऐसी फिल्म बनाने की मेरी कोशिश है जो डर से कहीं आगे की चीज है. इसमें फीलिंग्स की कई परतें हैं, एक बेचैन कर देने वाला माहौल है और इसे आज के दौर के सिनेमाई अंदाज में पेश किया गया है. मैं इस गहरे और कई परतों वाले किरदार के लिए इमरान के साथ काम करने को लेकर बहुत एक्साइटेड हूं. मेरी पूरी टीम और मुझे उम्मीद है कि हम दर्शकों को हॉरर का एक सच में अनोखा और कभी न भूलने वाला अनुभव दे पाएंगे।'

## वैभव सूर्यवंशी ने क्यों चुना टीम इंडिया की जर्सी पर नंबर-3 ? किसके कहने पर लिया यह फैसला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

वैभव सूर्यवंशी जल्द ही भारतीय टीम के लिए खेलते हुए नजर आने वाले हैं. भारतीय टीम आयरलैं के खिलाफ दो मैचों की टी-20 सीरीज खेलेगी, भारतीय टीम आयरलैंड-इंग्लैंड दौरे के लिए भी रवाना हो गई है. टीम के साथ वैभव सूर्यवंशी भी नजर आए. बता दें कि इससे पहले वैभव सूर्यवंशी को भारतीय टीम की जर्सी भी दी गई जिसका वीडियो बीसीसीआई ने शेयर किया है. वीडियो में वैभव अपनी जर्सी को याद करके काफी भावुक नजर आए हैं।

**थ्रोडाउन रघु के छुए पैर**

वीडियो में देखा जा सकता है कि भारत के थ्रोडाउन स्पेशलिस्ट रघु अपने साथ वैभव सूर्यवंशी के लिए टीम की जर्सी लेकर आए. दरवाजे पर जैसे ही वैभव ने थ्रोडाउन रघु को देखा तो उन्होंने उनके पैर छूए और आशिर्वाद लिया . इसके बाद 15 साल के वैभव ने टीम इंडिया की जर्सी बक्से से निकाली. टीम इंडिया की जर्सी पर अपना नाम देखकर वैभव इमोशनल नजर आए. लेकिन एक बात ने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा. दरअसल, वैभव की टीम इंडिया वाली जर्सी का नंबर 3 था. ऐसे में सभी फैन्स यह जानने को लेकर उत्सुक हो गए कि आखिर वैभव की जर्सी का का नंबर 3 कनेक्शन क्या है। बता दें कि वैभव एक ऐसे खिलाड़ी हैं जो आने वाले समय में इतिहास बनाएंगे. वह भी उन खिलाड़ियों की कतार में शामिल हो सकते हैं जिस कतार में कपिल देव, सचिन तेंदुलकर और विराट जैसे दिग्गज मौजूद हैं. इन खिलाड़ियों की जर्सी का नंबर आज भी फैन्स को याद है. सचिन तेंदुलकर के नंबर 10, विराट के 18 और रोहित के 45 की तरह वैभव का 3 भी अब प्रशंसक याद रखेंगे।

**वैभव सूर्यवंशी की टीम इंडिया की जर्सी पर नंबर-3 क्यों!**

दरसअल, जब वैभव ने अपने प्रोफेशनल करियर की शुरुआत की थी तो उनकी जर्सी का नंबर 12 था. रिपोर्ट्स के अनुसार वैभव की मां ने ही वैभव को नंबर 3 जर्सी पर रखने की सलाह दी है. दरअसल, उनकी मां ने यह सुझाव दिया कि 12 के अंकों (1 + 2) को जोड़ने पर 3 आता है. ऐसे में सीधे सिंगल डिजिट 3 वाली जर्सी पहनने की सलाह दी, जिसे उन्होंने अपना लिया और इसे अपना लकी नंबर बना लिया. बता दें कि वैभव ने ये बात राइजिंग स्टार्स एशिया कप के दौरान जर्सी नंबर-3 के बारे में जब उनसे सवाल पूछा गया था, तो उन्होंने मुस्कुराते हुए इस सवाल का जवाब दिया था.

**आईपीएल में पहनते हैं 12 नंबर की जर्सी**

बता दें कि राजस्थान रॉयल्स के लिए वैभव 12 नंबर की जर्सी पहनते हैं, दोनों अंकों को जोड़ने पर 3 बनता है. ऐसे में जब भारत के लिए जर्सी पहनने की बात आई तो वैभव ने अपनी जर्सी पर नंबर 3 लिखवाया.

**18 नंबर की जर्सी भी पहन चुके हैं**

साल 2025 में वैभव ने जब भारत अंडर 19 टीम के साथ इंग्लैंड दौरे पर गए थे तो वहां, होव के काउंटी ग्राउंड पर इंग्लैंड 19 के खिलाफ यूथ वनडे मैच में भारत 19 के लिए अपना डेब्यू करते हुए वैभव सूर्यवंशी ने 18 नंबर की जर्सी पहनी थी. जिसकी काफी चर्चा हुई थी. उस मैच में उनकी जर्सी के पीछे नंबर 18 लिखा था, 18 नंबर की जर्सी कोहली भी पहनते हैं इसलिए यह चर्चा जोर पकड़ी थी।